सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 265 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 3 नवम्बर, 2026
मूल्य ₹ 3/-





माता-पिता का सम्मान किया जाना चाहिए और बड़ों का भी, जीवित प्राणियों के प्रति दयालुता को मजबूत किया जाना चाहिए और सत्य बोला जाना चाहिए।
-सम्राट अशोक

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को ग्लेन मैक्सवेल ने कहा... 7 | जम्मू-कश्मीर में कैबिनेट फेरबदल... 3 | आजम खां के साथ अन्यायपूर्ण... 2

सेक्स स्कैंडल के आरोपी हरि टेवरीवाल पर कौन है मेहरबान

महादेव एप से जुड़े सौरभ को तो ले आई सीबीआई, हरि व अक्षत की बारी कब

» सालों तक कहां सोई थीं एजेंसियां? खबरें चलीं तो सौरभ याद आया

» 4PM पर लगातार डिजिटल हमले करवा रहा है हरि टेवरीवाल

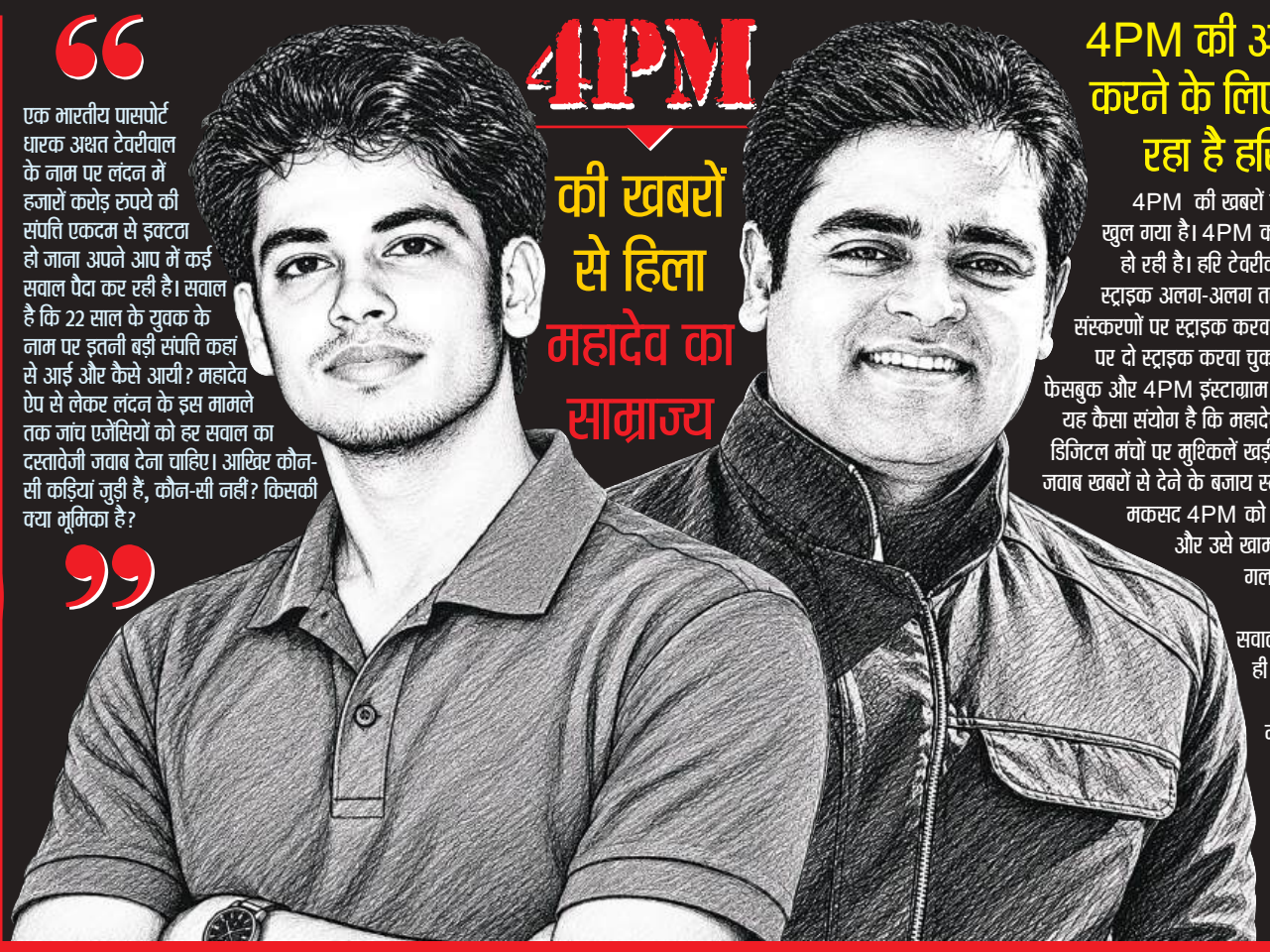
□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के सबसे चर्चित और सबसे बड़े घोटाले का जिन्न सोया हुआ था। आरोपी मस्त थे और जांच एजेंसिया भी आराम के मूड में। लेकिन 4PM अपनी जिम्मेदारी न तो कभी भूला है और न ही कभी चूका है। 4PM महादेव एप घोटाले को अपने सभी प्लेटफार्म से लगातार उठाता रहा, छापता रहा, दिखाता रहा जिसका नतीजा यह हुआ कि घोटाले का मास्टर मांइड जोकि ओमान में चैन की जिंदगी गुजार रहा था उसे भारतीय जांच एजेंसियां उठा लाई और अब अदालत में पेशी की तैयारी चल रही है।

आखिर यह कैसा संयोग है कि महादेव ऐप पर सवाल उठाओ और डिजिटल मंचों पर मुश्किलें खड़ी होने लगें? क्या खबरों का जवाब खबरों से देने के बजाय स्ट्राइक से दिया जाएगा?

देश के सबसे चर्चित महादेव ऑनलाइन बुक के सट्टा साम्राज्य का प्रमुख प्रमोटर सौरभ चंद्राकर आखिरकार भारतीय जांच एजेंसियों की गिरफ्त में है। लेकिन क्या इस कार्रवाई के साथ महादेव एप की पूरी कहानी का पर्दा उठ चुका है? बिल्कुल नहीं इस नेटवर्क की जांच में जिन दूसरे नामों और भूमिकाओं का उल्लेख सामने आया है उन पर कार्रवाई का हिसाब अभी बाकी है और देश जानना चाहता है कि हरि टेवरीवाल जांच एजेंसियों की गिरफ्त में कब होगा। अक्षय जाजू की प्रचार टीम से लेकर हरि शंकर टिबरेवाल के खिलाफ ईडी की अभियोजन शिकायत तक कई सवाल अभी भी बाकी है। हमारा सवाल सीधा है कि सौरभ को तो ओमान से सीबीआई टांग लायी लेकिन अक्षय और हरि टेवरीवाल को कब लाएगी?

“ एक भारतीय पासपोर्ट धारक अक्षत टेवरीवाल के नाम पर लंदन में हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति एकदम से इक्टठा हो जाना अपने आप में कई सवाल पैदा कर रही है। सवाल है कि 22 साल के युवक के नाम पर इतनी बड़ी संपत्ति कहां से आई और कैसे आयी? महादेव ऐप से लेकर लंदन के इस मामले तक जांच एजेंसियों को हर सवाल का दस्तावेजी जवाब देना चाहिए। आखिर कौन-सी कड़ियां जुड़ी हैं, कौन-सी नहीं? किसकी क्या भूमिका है? ”



4PM की आवाज को बंद करने के लिए हमले करवा रहा है हरि टेवरीवाल

4PM की खबरों से बेचैनी का एक और मोर्चा खुल गया है। 4PM की आवाज दबाने की कोशिश हो रही है। हरि टेवरीवाल वर्चस्व मीडिया के जरिये स्ट्राइक अलग-अलग तरीकों से 4PM के डिजिटल संस्करणों पर स्ट्राइक करवा रहा है। वह 4PM यूट्यूब पर दो स्ट्राइक करवा चुका है यही नहीं उसने 4PM फेसबुक और 4PM इंस्टाग्राम पर भी स्ट्राइक की। आखिर यह कैसा संयोग है कि महादेव ऐप पर सवाल उठाओ और डिजिटल मंचों पर मुश्किलें खड़ी होने लगें? क्या खबरों का जवाब खबरों से देने के बजाय स्ट्राइक से दिया जाएगा? क्या मकसद 4PM को डराना, उसकी पहुंच रोकना और उसे खामोश करना है? अगर आरोप गलत हैं तो सामने आइए जवाब दीजिए सबूत रखिए। लेकिन सवाल पूछने वाले की आवाज पर ही चोट क्यों? 4PM न झुका है न चुप बैठने वाला है। महादेव ऐप के हर सवाल का जवाब चाहिए सौरभ के बाद अगला कौन? अक्षत और हरि टेवरीवाल पर कार्रवाई कब? और 4PM के डिजिटल मंचों पर हो रही घेराबंदी के पीछे कौन है?

लंदन के सेक्स स्कैंडल में भी टेवरीवाल का नाम

महादेव ऐप का मामला हो या लंदन में महिलाओं के यौन शोषण और शोषण के लिए यात्रा की व्यवस्था करने का प्रकरण। नामों की कड़ियां जितनी खुल रही हैं सवाल उतने ही तीखे होते जा रहे हैं। भारतीय वकील विजय अग्रवाल लंदन में यौन अपराधों के आरोपों में गिरफ्तार हुए। ब्रिटिश अभियोजन पक्ष ने बाद में उन पर बलात्कार और महिलाओं के शोषण के उद्देश्य से यात्रा की व्यवस्था करने से जुड़े आरोप भी लगाए। और इसी प्रकरण में हरि टेवरीवाल का नाम भी अदालत तक पहुंचा। अब सवाल यह है कि विजय अग्रवाल को लंदन बुलाने की परिस्थितियां क्या थीं? इस मामले में अलग-अलग लोगों की भूमिका क्या थी? और क्या महादेव ऐप प्रकरण में सामने आए नामों तथा लंदन की जांच के बीच किसी संबंध की आधिकारिक पुष्टि हुई है? इन सवालों के जवाब दस्तावेज और जांच ही दे सकते हैं अटकलें नहीं। दूसरी एक भारतीय पासपोर्ट धारक अक्षत टेवरीवाल के नाम पर लंदन में हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति एकदम से इक्टठा हो जाना अपने आप में कई सवाल पैदा कर रही है। सवाल है कि 22 साल के युवक के नाम पर इतनी बड़ी संपत्ति कहां से आई और कैसे आयी? महादेव ऐप से लेकर लंदन के इस मामले तक जांच एजेंसियों को हर सवाल का दस्तावेजी जवाब देना चाहिए। आखिर कौन-सी कड़ियां जुड़ी हैं, कौन-सी नहीं? किसकी क्या भूमिका है? और जांच की आंच किन-किन तक पहुंची है?

छोटा मोटा घोटाला नहीं है

महादेव ऐप का मामला कोई छोटा मोटा आनलाइन सट्टे का खेल नहीं था। जांच एजेंसियों के मुताबिक क्रिकेट से लेकर फुटबॉल और दूसरे खेलों तक सट्टेबाजी का ऐसा नेटवर्क खड़ा किया गया जिसके तार देश के कई राज्यों से लेकर विदेशों तक फैले थे। पैनल और ब्रांच के जरिए लोगों को जोड़ा गया अवैध कमाई को अनेक बैंक खातों से घुमाया गया और फिर हवाला के रास्ते विदेश भेजे जाने के आरोप सामने आए। सीबीआई ने अपनी जांच में इस नेटवर्क को देश के सबसे बड़े अवैध ऑनलाइन सट्टा सिंडिकेट में शामिल बताया है। इस कहानी का एक बड़ा चेहरा सौरभ चंद्राकर भारत लौट चुका है। 1 नवंबर को सीबीआई की विशेष टीम उसे ओमान से भारत लेकर आई। उसके खिलाफ दो सीबीआई मामलों में आरोप-पत्र दाखिल हैं और ईडी के मामले में अभियोजन शिकायत दायर की जा चुकी है। 2 नवंबर को दिल्ली की अदालत ने उसे रायपुर ले जाने के लिए सीबीआई को दो दिन की ट्रांजिट रिमांड दी। अदालत ने 4 नवंबर तक रायपुर की विशेष अदालत में पेश करने की अनुमति दी है। हालांकि, प्रत्यर्पण के दायरे और सीबीआई मामले में कार्रवाई को लेकर बचाव पक्ष ने आपत्ति उठाई है। इस कानूनी सवाल पर अंतिम निर्णय रायपुर की अदालत को करना है।

संबंधित खबरें पेज 8 पर भी

आजम खां के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार हो रहा : अखिलेश यादव

» 2027 में भाजपा का सफाया होना तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आजम खान की दोबारा गिरफ्तारी पर भाजपा सरकार पर करारा वार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि आजम खान के साथ लगातार अन्यायपूर्ण व्यवहार हो रहा है। अखिलेश ने इसके लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए उसकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

पूर्व सीएम ने कहा कि देश आजादी का जश्न मना रहा था और मुख्यमंत्री विभाजन का उत्सव मना रहे थे। भाजपा ने आजादी के पहले और आजादी के बाद कभी तिरंगा नहीं लगाया। लोधी समाज एकजुट हो गया तो भाजपा का पता नहीं चलेगा। समाजवादी पार्टी लोधी समाज को सम्मान और स्थान देगी। उन्होंने कहा कि 2027 में भाजपा का सफाया होना तय है। 2024 के परिणाम से समाजवादी पार्टी व इंडिया गठबंधन नंबर एक पर पहुंच गया है।



कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे में गड्ढे ही गड्ढे

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार 300 करोड़ पेड़ लगाने का दावा कर रही है, लेकिन पेड़ कहीं नहीं दिखाई दे रहे हैं। केंद्र सरकार की रिपोर्ट आई है कि प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। लखनऊ कानपुर एक्सप्रेस वे उद्घाटन के बाद जगह-जगह टूट गई, उस पर न जाने कितने गड्ढे हो गए।

सोनम वांगचुक व लद्दाख प्रशासन में वार-पलटवार

» सरकार ने सामाजिक कार्यकर्ता के स्कूल पर लगाई रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लद्दाख प्रशासन ने शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाले सोनम वांगचुक को बड़ा झटका दिया है। प्रशासन ने वांगचुक द्वारा स्थापित हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स लद्दाख (एचआईएएल) के डेजर्ट फ्लावर स्कूल को अगले आदेश तक अपनी गतिविधियां बंद रखने का निर्देश दिया है।

यह फैसला हाईकोर्ट में चल रहे मामले के निर्णय तक प्रभावी रहेगा। इससे पहले सोनम वांगचुक ने लद्दाख के उपराज्यपाल प्रशासन पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए कहा कि प्रशासन ने नागरिक समाज के लगातार विरोध और महिलाओं के समूहों के एक सप्ताह तक चले धरने के बाद अपनी विवादित शराब नीति वापस ले ली है। वांगचुक के मुताबिक, प्रशासन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर उन पर झूठ और अफवाह फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर उनकी बातें महज अफवाह थीं, तो सैकड़ों माताओं ने अपने बच्चों और घरों को छोड़कर शून्य से नीचे तापमान में छह रातें धरने पर क्यों बिताईं? उन्होंने कहा कि प्रशासन अपनी प्रेस विज्ञप्ति के जरिये अपनी छवि बचाने की कोशिश कर रहा है और इसके लिए उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। वांगचुक ने यह भी कहा कि अब देखना होगा कि कितने समाचार पत्र और समाचार चैनल प्रशासन के बयान के साथ-साथ उनका जवाब और शराब के खिलाफ प्रदर्शन कर रही लद्दाख की महिलाओं के वीडियो भी दिखाते हैं। वांगचुक ने प्रशासन के उस दावे पर भी सवाल उठाया, जिसमें लद्दाख में अब केवल एक शराब की दुकान होने की बात कही गई है। उनका आरोप है कि प्रशासन ने शराब की दुकानों को बंद करने के बाद बार खोलने की अनुमति दी और इनकी संख्या 50 तक पहुंच गई, जो उनके मुताबिक लद्दाख के इतिहास में सबसे अधिक है।

कांग्रेस के युवा नेता 55 साल के फिर भी उनके अंदर समझदारी नहीं : बृजभूषण शरण

» भाजपा नेता का नेता प्रतिपक्ष पर आपत्तिजनक टिप्पणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का नेता तो ऐसा हो गया है जैसे कोई बंदर नाच रहा हो। किसी कभी इस चाल पर, कभी उस चाल पर। जब भी मैं देश की दुर्दशा को देखता हूं तो सबसे ज्यादा कांग्रेस के युवा नेता को कोसता हूं। वो 55 साल के हो गए हैं फिर भी उनके अंदर समझदारी नहीं हैं।

बृजभूषण शरण सिंह रविवार को बागपत पहुंचे थे, जहां उन्होंने विरोधी दलों पर जमकर हमले किए. उन्होंने मंच से जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यूजीसी ना आया था और ना ही कभी यूजीसी आएगा इसलिए इसकी चिंता करना और बवाल करना छोड़िए। उन्होंने कहा कि हम जो बोलते हैं वो सोच समझकर बोलते हैं। भले ही मैं उस पार्टी में नहीं हूं लेकिन, मेरे बाबा की पार्टी होने के नाते मैं उससे सहानुभूति रखता हूं, लेकिन, जब बंदर बाबा को देखता हूं तो दुख होता है। इसलिए कहां कम समझना और समझना ज्यादा चाहिए।

आपको बता दें कि बृजभूषण शरण सिंह रविवार को बागपत के सम्राट पृथ्वी राज चौहान डिग्री कॉलेज पहुंचे थे, जहां उन्होंने राजपूत स्वाभिमान महासम्मेलन में हिस्सा लिया।



बीजेपी नेता ने इस दौरान कॉकरोच जनता पार्टी को लेकर भी जमकर निशाना साधा और कहा कि ये ऑकक्रोच का कॉकरोच आए हैं लेकिन, इनके चक्कर में पड़ना नहीं है। ये आए नहीं है। इन्हें भेजा गया है। इनके आंदोलन स्वयं के आंदोलन नहीं है इसलिए विदेश से फंड है। ये वही दिन आंदोलन कर है ज्यादा विकास संभावना हो। उन्होंने कहा कि मैं किससे मन की बात कहूं, यहां कौन सुनने को तैयार है। फुर्सत किसको कितनी है? सब अपने में लगे हुए हैं, सबको अपनी-अपनी पड़ी है। मैं किससे मन की बात कहूं। मैं जब देश की दुर्दशा को देखता हूं तो मैं सबसे ज्यादा कांग्रेस के युवा नेता को कोसता हूं। 55 वर्ष के हो गए समझदारी विकसित नहीं हुई। अगर वो सही ढंग से विपक्ष की भूमिका निभाते तो देश और अच्छा प्रगति करता।

हम गठबंधन में रहेंगे या नहीं इसका फैसला अखिलेश नहीं करेंगे : मौर्य

» सपा प्रमुख के बयान पर भड़के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले स्वामी प्रसाद मौर्य की कॉंग्रेस पार्टी से बढ़ती नजदीकियों को लेकर प्रदेश का सियासी माहौल गर्म हो गया हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन्हें गठबंधन में लेने से इनकार कर दिया है, जिस पर अब मौर्य की और से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि हम गठबंधन में रहेंगे या नहीं इसका फैसला अखिलेश यादव नहीं करेंगे।

अपनी जनता पार्टी के अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि सबसे पहली बात तो ये है कि हम गठबंधन में रहेंगे या नहीं, इसके लिए हमें अखिलेश यादव से किसी तरह का प्रमाणपत्र लेने की आवश्यकता नहीं है। कांग्रेस के नेतृत्व में पूरा गठबंधन बना है, इसलिए इस संबंध में अंतिम फैसला भी कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व ही करेगा। स्वामी प्रसाद मौर्य ने सपा सांसद अवधेश प्रसाद के बयान पर भी पलटवार किया और कहा कि जो लोग बीजेपी को जिताने की कोशिश कर रहे हैं, वही इस तरह के बयान दे रहे हैं। वे चाहते हैं कि बीजेपी सत्ता में बनी रहे। बीजेपी को सत्ता में बनाए रखने के उद्देश्य से ही कुछ नेता इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं। हालांकि, जनता ऐसे नेताओं को नकार रही है। यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम से मुलाक़ात पर मौर्य ने कहा कि हम दोनों ने एक दूसरे को रामलीला मैदान में जो ऐतिहासिक रैली हुई है उसकी बधाई दी। हम समझते हैं वो परिवर्तन का प्रतीक है कि आने वाले दिनों में परिवर्तन होने जा रहा है और साथ ही साथ लोकतंत्र बचाने के लिए ये महारैली की गई है स्वाभाविक रुप से ये संदेश गया है कि आज पूरा देश लोकतंत्र को बचाने के लिए सड़कों पर उतरने के लिए तैयार है।



राहुल गांधी देश के हीरो

इंडिया गठबंधन में राहुल गांधी और अखिलेश यादव में से कौन महत्वपूर्ण स्तंभ है, इस सवाल के जवाब में मौर्य ने कहा, पूरे देश के नेता राहुल गांधी हैं और पूरे देश के हीरो राहुल गांधी हैं. रामलीला मैदान में जो ऐतिहासिक रैली आयोजित की गई उसका आह्वान भी राहुल गांधी ने ही किया था। इस पूरी रैली में 60 फ़ीसद से ज्यादा भीड़ कांग्रेस की थी, जबकि बाकी 40 फीसद गठबंधन के अन्य सहयोगी दलों की आई थी।

बीजेपी की शवयात्रा जनता खुद ही उन निकालेगी

बीजेपी की पदयात्रा पर स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि मुझे लगता है कि अभी बीजेपी को शवयात्रा निकालने की आवश्यकता नहीं है। जनता खुद ही उनकी शवयात्रा निकालेगी. पदायात्रा तो शवयात्रा में की जाती है. तो, अभी बीजेपी को ऐसी यात्रा निकालने की कोई ज़रूरत नहीं है।



आजम खां की गिरफ्तारी एक साजिश : प्रमोद कृष्णम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कल्कि धाम के पीठाधीश्वर और धर्मगुरु आचार्य प्रमोद कृष्णम ने समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान की गिरफ्तारी पर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि आजम खान के साथ बहुत बड़ी राजनीतिक साजिश हुई है, समाजवादी पार्टी ये नहीं चाहती थी कि आजम खान चुनाव से पहले जेल से बाहर निकलें क्योंकि सपा को ये पता चल चुका था कि आजम खान स्वामी प्रसाद मौर्य और राहुल गांधी एक हो चुके हैं।

आचार्य प्रमोद कृष्णम के मुताबिक सपा को लग रहा था कि आजम खान कांग्रेस को कहीं इतना ताकतवर न बना दें कि कांग्रेस अपने दम पर ही चुनाव लड़ने इस मैदान में न आ जाएं। उन्होंने कहा कि आप क्रोनोलॉजी समझिए कि केंद्रीय एजेंसियां जिस के हाथ में हैं वह किस की बात मानते हैं।



अखिलेश यादव के नाम पर उन्होंने कहा मैं कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन मैं कभी छोटी बात नहीं कहता। वक्त आने दो इस साजिश का पर्दाफाश होगा। प्रमोद कृष्णम ने कहा कि बीजेपी तो सामने खड़ा शत्रु है लेकिन आजम खान के असली शत्रु तो उनके घर में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि क्रोनोलॉजी समझिए स्वामी प्रसाद मौर्य का राहुल गांधी से मिलना फिर आजम खान के परिवार से मिलना और कांग्रेस का 200 सीटें मांगना फिर अखिलेश यादव का ये दिखाना और अगर सपा वाले आजम खान के इतनी ही हमदर्द थे तो जब आजम खान जेल से निकल रहे थे तो सपा का कोई बड़ा नेता लखनऊ से क्यों नहीं पहुंचा? बहुत से सवाल हैं। जब उनसे पूछा गया कि केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल तो केंद्र सरकार के हाथ में है अखिलेश यादव के हाथ में तो है नहीं तो उन्होंने कहा कि मसला ये नहीं है कि केंद्रीय एजेंसी किस के हाथ में है मसला ये है कि जिनके हाथ में केंद्रीय एजेंसी है वो किस की बात मानते हैं। क्या आखिलेश यादव? तो उन्होंने कहा मैं कुछ नहीं कहना चाहता। इस बार यूपी का चुनाव महाभारत की तरह एक धर्मयुद्ध होगा। यूपी की जनता जिसे चाहेगी मुख्यमंत्री बन देगी जिसका भरोसा भगवान में होगा वह जीतेगा।

जम्मू-कश्मीर में कैबिनेट फेरबदल, बढ़ गई हलचल

नेकां में बगावत! 18 विधायकों की गुप्त बैठक

» कई विधायकों बढ़ी नाराजगी

» विपक्ष ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में अक्टूबर में हुए मंत्रिमंडल फेरबदल के बाद वहां की सियासी हवा कुछ तल्ख हो गई है। जहां विपक्ष सवाल खड़े कर रहा है वहीं सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस के भीतर एक बड़ा विद्रोह खड़ा हो गया है। यह सवाल तब उठा है जब कम से कम 18 विधायक, बिना किसी औपचारिक घोषणा के, श्रीनगर में लोलाब के विधायक कैसर जमशेद लोन के आवास पर इकट्ठा हुए।

बैठक ऐसे समय में हुई है जब कई वरिष्ठ विधायक ओमर अब्दुल्ला सरकार के उस कैबिनेट फेरबदल से असंतुष्ट हैं, जो 27 अक्टूबर को हुआ था। इस फेरबदल में नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेंका) के चार विधायकों -अली मोहम्मद सागर, मीर सैफुल्ला, शमीमा फिरदौस और अल्ताफ अहमद कालू को मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया, जबकि निर्दलीय विधायक सतीश शर्मा को बाहर कर दिया गया।



बैठक को महज एक दोस्ताना लंच बताया

मीटिंग में शामिल एक वरिष्ठ विधायक ने बैठक को महज एक दोस्ताना लंच बताया और इसके किसी भी राजनीतिक महत्व से इनकार किया, लेकिन इसमें शामिल होने वाले विदायकों की सूचिया उर संख्या ने सबका ध्यान खींचा है। बैठक में ऐसे सभी विधायक मौजूद थे, जिनके नामों पर कैबिनेट विस्तार से पहले चर्चा हुई थी जिन में नजीर गुरेजी, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष मुबारक गुल और अनंतनाग पश्चिम के विधायक अब्दुल मजीद भट उर्फ लर्मी शामिल है।

ये विधायक बैठक में हुए शामिल

इस अघोषित मीटिंग में मौजूद विधायकों में मुजफ्फर इकबाल खान (थानामंडी), मुश्ताक अहमद गुरु (चनापोरा), डॉ. सज्जाद शफी (उरी), खुर्शीद अहमद (गुलाबगढ़), अर्जुन सिंह राजू (रामबन), जावेद इकबाल चौधरी (बुधल), एजाज अहमद जान (पुंछ हवेली), अब्दुल मजीद भट उर्फ लर्मी (अनंतनाग पश्चिम), बशीर अहमद वीरी (बिजबेहरा), हिलाल अकबर लोन (सोनावारी), नजीर अहमद खान (गुरेज), मुबारक गुल (ईदगाह), फारूक अहमद शाह (तंगमर्ग), सैफ-उद-दीन भट (खानसाहिब), जावेद अहमद (करनाह), गुलाम मोहिउद्दीन मीर (राजपोरा), हसनैन मसूदी (पम्पोर) और कैसर जमशेद लोन (लोलाब) शामिल थे।

विधायकों की पार्टी न तोड़ने पर मुहर

हालांकि, लंच आयोजित करने वाले कैसर जमशेद के करीबी सूत्रों ने बताया कि बैठक में कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई, ताकि हालिया कैबिनेट फेरबदल के जवाब में एक संयुक्त रणनीति बनाई जा सके। साथ ही, सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि कोई भी विधायक पार्टी नहीं छोड़ेगा और न ही पार्टी को तोड़ने की कोशिश करेगा। सूत्रों के अनुसार, बैठक में विधायकों ने नजीर अहमद के नेतृत्व में चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बनाने का फैसला किया। गुरेजी और थाना-मंडी के विधायक मुजफ्फर इकबाल, नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को एक ज्ञापन सौंपेंगे। इसमें वे कैबिनेट व्यवस्था और पार्टी के कामकाज को लेकर अपनी शिकायतें दर्ज कराएंगे।

दो साल से अधिक वाले मंत्रियों को हटाने की मांग

इस ज्ञापन में उन मंत्रियों को हटाने की मांग की जा सकती है, जिन्हें अपने पद पर रहते हुए दो साल पूरे हो चुके हैं। विधायक मौजूदा मंत्री-व्यवस्था में बदलाव की मांग कर रहे हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई है और शपथ ली है कि वे पार्टी नहीं छोड़ेंगे। इसके साथ ही, उन्होंने कुछ लोगों द्वारा पार्टी के आंतरिक कामकाज को कमजोर करने की कोशिशों पर नाराजगी जताई है। विधायकों के अनुसार, चर्चा का एक मुख्य मुद्दा मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार नासिर सोगमी की कथित भूमिका रही। विधायकों ने उन पर पार्टी नेतृत्व को गुमराह करने और संगठनात्मक मामलों में दखल देने का आरोप लगाया है। ये बागी विधायक उनके इस्तीफे, बिना शर्त माफी और उन्हें उनके पद से हटाने की मांग करेंगे। उनका आरोप है कि सोगमी के कामों से पार्टी के हितों को नुकसान पहुँचा है। सूत्रों के मुताबिक, चार सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल पार्टी नेतृत्व के सामने अपनी चिंताएं रखेगा, जिसके बाद विधायक आगे की रणनीति तय करेंगे। नाम न छापने की शर्त पर, चर्चा में शामिल एक विधायक ने कहा, प्रस्तावित ज्ञापन और उस पर पार्टी नेतृत्व की प्रतिक्रिया से ही तय होगा कि विधायक आगे क्या कदम उठाएंगे।

बिहार में विपक्ष के साथ अपनों से भी जारी है तकरार

विपक्ष ने कड़े किए तेवर, सबंधों पर पड़ेगा असर

» जदयू बोली राज्य की कानूनव्यवस्था से कोई समझौता नहीं

» राज्य के कानून व्यवस्था के बाद नाव हादसे को लेकर लोजपा रामबिलास मुखर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में क्या सहयोगी दल लोजपा राम विलास भाजपा के सीएम सम्राट चौधरी से नाराज हैं। तभी अभी कु छ दिन पहले छेड़खानी के मामले सरकार को आंख दिखा रहे थे। अब नाव हादसे में कई बच्चों के मरने पर गुस्से में हैं। उन्होंने सरकार पर लापरवाही का आरोप तक लगा दिया। हांलाकि उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया है कि दोषियों को बख्शा नही जाएगा। इसी के साथ विपक्षी दल भी हमलावर हैं।

अभी हाल में जिस तरह कई जिलों म छेड़खानी की घटनाएं सोशल मीडिया पर आ रही है उससे एनडीए सरकार व सीएम सम्राट घिरते जा रहे हैं। विपक्ष तो आक्रामक है ही साथ उसके अपने सहयोगी भी उन पर सवाल दाग रहे हैं। इनसबके बीच चुनाव आयोग वाले मुद्दे पर भी सहयोगी दल मुखर है। चिराग पासवान, उपेन्द्र कुशवाहा से लेकर जदयू तक आयोग को फटकार रहे हैं। उधर चिराग पासवान के बयान ने इस पूरे मामले का राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है। चिराग ने विपक्ष के आरोपों को सही ठहराने के बजाय मुद्दे की जड़ पर हाथ रखा है, यानी उन्होंने जनता के भरोसे की बात कही है। उनका तर्क है कि विपक्ष राजनीति करेगा, यह उसका काम है। अब तक चुनाव आयोग पर सवाल उठाने वालों में विपक्ष सबसे आगे था, लेकिन अब सत्ता पक्ष के भीतर से भी चुनाव आयोग को लेकर आवाज उठने लगी है। यही इस पूरे विवाद का सबसे अहम पहलू है। केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रमुख सहयोगी चिराग पासवान ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से साफ कहा है कि अगर चुनाव प्रक्रिया को लेकर लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं तो चुनाव आयोग को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उनका कहना है कि आयोग को सफाई राहुल गांधी को नहीं, बल्कि देश की जनता को देनी चाहिए। हम आपको बता दें कि मामला इसलिए गरम है क्योंकि चुनाव आयोग के भीतर ही मतभेदों की खबर सामने आई है। पड़ताल के मुताबिक तीन सदस्यीय चुनाव आयोग में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले दस महीनों में कम से कम 14 मौकों पर मुख्य चुनाव आयुक्त के नेतृत्व में लिए जा रहे फैसलों और निर्देशों पर औपचारिक आपत्तियां दर्ज कीं। वहीं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बयान के बाद आरजेडी उनसे इस्तीफा मांग रही है।



आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल

देखा जाये तो राजनीति में यही वह मोड़ होता है जहां बात आरोप-प्रत्यारोप से निकलकर भरोसे के सवाल पर आ जाती है। चुनाव जीतने-हारने का फैसला जनता करती है, लेकिन चुनाव कराने वाली संस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होने लगें तो उसका असर किसी एक दल की राजनीति तक सीमित नहीं रहता। खासकर तब, जब आयोग के भीतर दर्ज आपत्तियों की संख्या भी सामने आ चुकी हो और बाहर विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा हो। ऊपर से चुनाव आयोग की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त के प्रस्तावित युवा मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों के स्थगित होने की खबर भी आई है। आयोग ने इसे कार्यक्रमों की तारीखों में होने वाले सामान्य बदलाव से जोड़ा है, जबकि सूत्रों के मुताबिक ये कार्यक्रम अनिश्चितकाल के लिए टाल दिए गए हैं। यानी फिलहाल सियासत की गेंद चुनाव आयोग के पाले में है। विपक्ष सवालों की बौछार कर रहा है, भाजपा उसका बचाव कर रही है, लेकिन अब सहयोगी दल की तरफ से भी यही कहा जा रहा है कि सवाल उठ रहे हैं तो जवाब साफ-साफ दिया जाए। यही इस विवाद का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश है।

कहानी विपक्ष बनाम चुनाव आयोग की सीधी लड़ाई से आगे निकली

अब यहां से कहानी विपक्ष बनाम चुनाव आयोग की सीधी लड़ाई से आगे निकल जाती है। विपक्ष पहले से आरोप लगा रहा है कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल हैं। राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग तक कर दी है। कांग्रेस सहित विपक्षी दल संसद में भी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी में हैं।

भाजपा ने आरोपों को खारिज किया

उधर, सत्ता पक्ष की तरफ से भाजपा ने इन आरोपों को खारिज किया है। भाजपा ने कहा है कि आयोग के भीतर अलग-अलग राय होना किसी संस्था के कामकाज का सामान्य हिस्सा है और अंतिम फैसले सर्वसम्मति से लिए गए। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने भी इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि उसमें किसी चुनाव आयुक्त का प्रत्यक्ष या अनौपचारिक बयान नहीं है। दूसरी तरफ चुनाव आयोग का कहना है कि आंतरिक टिप्पणियां, तकनीकी सुझाव और आपत्तियां किसी बहुसदस्यीय संस्था की सामान्य निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा हैं और विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े अंतिम फैसले सर्वसम्मति से लिए गए हैं।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_SanjayS

जिद... सच की

सरदार पटेल व इंदिरा जी के आदर्श से ही देश बनेगा महान

देश ने अभी 31 अक्टूबर को देश के दो महान नेताओं को याद किया। इन दोनों देश के निमार्ण में अहम भूमिका निभाई। एक लौह पुरूष थे जो आजादी से पहले व बाद में भारत के निमार्ण शिल्पी थे दूसरी स्वतंत्र भारत की तीसरी प्रधानमंत्री थीं जिन्हे लोग आयरन लेडी कहत थे। पूर्व उप प्रधानमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल जिनका जन्म दिन इसी दिन मनाया जाता है। जबकि इंदिरा गांधी आज ही के दिन देश लिए शहीद हो गईं थी। ये दोनों नेता कांग्रेस से जुड़े थे। देश को इन दोनों नेताओं को हमेशा याद रखना चाहिए क्योंकि दोनों भारत को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया। सरदार वल्लभभाई पटेल का व्यक्तित्व अदम्य साहस, लौह इच्छाशक्ति, अनुशासन, स्पष्टवादिता, संगठन क्षमता, प्रशासनिक दक्षता और अटूट राष्ट्रभक्ति का विलक्षण समन्वय था। वे दृढ़ संकल्प के धनी होने के साथ-साथ अत्यंत व्यावहारिक, दूरदर्शी और निर्णय लेने में असाधारण क्षमता रखने वाले राजनेता थे।

किसी राष्ट्र का निर्माण केवल स्वतंत्रता प्राप्त कर लेने से नहीं होता, बल्कि स्वतंत्रता को एकता, अखंडता, सुरक्षा और सामूहिक संकल्प की शक्ति में बदलने से होता है। भारत की स्वतंत्रता के बाद यह सबसे बड़ी चुनौती थी। देश के सामने रियासतों का बिखराव था, विभाजन की पीढ़ी थी, सांप्रदायिक तनाव था, सीमाओं पर असुरक्षा थी और नवजात लोकतंत्र के सामने अनेक राजनीतिक एवं प्रशासनिक संकट थे। ऐसे कठिन समय में यदि किसी एक व्यक्तित्व ने भारत को भौगोलिक ही नहीं, बल्कि राजनीतिक और राष्ट्रीय दृष्टि से एक सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक दायित्व निभाया, तो वे थे सरदार वल्लभभाई पटेल। उनकी 151वीं जयंती पर मनाया जाने वाला राष्ट्रीय एकता दिवस केवल एक महापुरुष का स्मरण नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक शक्ति, राष्ट्रीय स्वाभिमान और दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का अवसर है। सरदार पटेल का व्यक्तित्व उस चट्टान की तरह था, जिस पर कठिन से कठिन परिस्थितियों की लहरें टकराकर लौट जाती थीं। स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी दृढ़ता, संगठन क्षमता और जन नेतृत्व ने उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में विशिष्ट स्थान दिलाया था। खेड़ा सत्याग्रह और बारडोली आंदोलन ने उन्हें किसानों के संघर्ष का नायक बनाया। बारडोली की महिलाओं द्वारा दिया गया 'सरदार' संबोधन आगे चलकर उनके व्यक्तित्व की राष्ट्रीय पहचान बन गया। लेकिन उनकी वास्तविक ऐतिहासिक भूमिका स्वतंत्रता के बाद सामने आई, जब भारत को एक राष्ट्र के रूप में संगठित करना सबसे बड़ी आवश्यकता थी।

"एक लौह पुरूष थे जो आजादी से पहले व बाद में भारत के निमार्ण शिल्पी थे दूसरी स्वतंत्र भारत की तीसरी प्रधानमंत्री थीं जिन्हे लोग आयरन लेडी कहत थे। पूर्व उप प्रधानमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल जिनका जन्म दिन इसी दिन मनाया जाता है। जबकि इंदिरा गांधी आज ही के दिन देश लिए शहीद हो गईं थी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आतिशबाजी, कानून और पर्यावरण का संतुलन

डॉ. सुधीर कुमार

तेजी से बढ़ते शहरीकरण, बदलते जनसांख्यिकीय स्वरूप और वायु गुणवत्ता सूचकांक के खतरनाक स्तर तक पहुंचने के कारण पटाखों की गूंज खुशियों के बजाय स्वास्थ्य संबंधी संकट और पर्यावरणीय समस्याओं को बढ़ाने लगी है। उत्सव का यह उल्लास जब हवा में विषैले कणों का जहर घोलने लगे और रात के सन्नाटे में शोर का स्तर मानक सीमा से परे चला जाए, तब मौलिक अधिकारों, सांस्कृतिक परंपराओं और राज्य के संवैधानिक दायित्वों के बीच एक गंभीर कानूनी व नैतिक द्वंद्व उत्पन्न होता है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक नागरिक को गरिमापूर्ण जीवन जीने और स्वच्छ व स्वस्थ पर्यावरण का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। वर्ष 1991 के ऐतिहासिक वाद 'सुभाष कुमार बनाम बिहार राज्य' में उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि जीने के अधिकार में प्रदूषण-मुक्त जल और वायु का अधिकार भी शामिल है।

वहीं दूसरी ओर, संविधान का अनुच्छेद 25 नागरिकों को अंत: करण की स्वतंत्रता और धर्म को मानने व आचरण करने की स्वतंत्रता देता है। न्यायालयों ने प्रतिपादित किया है कि कोई भी धार्मिक परंपरा जनस्वास्थ्य और जनसामान्य के जीवन को संकट में नहीं डाल सकती। पर्यावरण न्यायशास्त्र और वैधानिक तंत्र के विकास में 'पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986' की धाराओं 3 व 5 और 'वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981' की धारा 19 के तहत केंद्रीय व राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को पटाखों के अत्यधिक उत्सर्जन पर आपातकालीन निर्देश जारी करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। इसके अतिरिक्त, नवप्रवर्तित 'भारतीय न्याय संहिता, 2023' की धाराएं वायुमंडल को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बनाने वाले कृत्यों के विरुद्ध दंडात्मक प्रावधान प्रदान करती हैं। वर्ष 2005 में 'इन री नॉइज पोल्यूशन' मामले में उच्चतम न्यायालय ने रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक भारी आवाज वाले पटाखों के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाने का ऐतिहासिक आदेश दिया था।

इसके पश्चात 'अर्जुन गोपाल बनाम भारत संघ (2018)' के ऐतिहासिक फैसले में उच्चतम न्यायालय ने पारंपरिक पटाखों के निर्माण और बिक्री पर देशव्यापी अंकुश लगाते हुए केवल 'ग्रीन क्रैकर्स' यानी हरित पटाखों के उपयोग की अनुमति दी। इस फैसले में अदालत ने अनुच्छेद 19(1)(जी) के तहत व्यापार करने के अधिकार और अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार के बीच संवैधानिक



संतुलन बनाते हुए कहा कि पटाखों का निर्माण करने का व्यावसायिक अधिकार जनसामान्य के जीने और सांस लेने के अधिकार के सामने गौण है। जब भी वाणिज्यिक हित और जनस्वास्थ्य का टकराव होगा, तब जनस्वास्थ्य को ही सर्वोच्च वरीयता दी जाएगी। 'ट्रिब्यूनल ऑन इट्स ओन मोशन बनाम पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (2020)' के महत्वपूर्ण मामले में एनजीटी ने आदेश दिया कि जिन शहरों या कस्बों में राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक 'खराब' दर्ज किया जाता है, वहां पटाखों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। केवल उन्हीं क्षेत्रों में, जहां एक्यूआई 'मध्यम' या उससे बेहतर स्थिति में है, सीमित समय के लिए सिर्फ ग्रीन क्रैकर्स की अनुमति दी जा सकती है। ग्रीन क्रैकर्स पारंपरिक पटाखों की तुलना में 30 से 35 प्रतिशत तक कम कणिकीय पदार्थ उत्सर्जित करते हैं। पटाखों का एक गंभीर दुष्प्रभाव 'क्रॉस-पॉल्यूशन' भी है। पटाखों के फटने के बाद रासायनिक अवशेष और विषैली धातुएं हमारे भोजन और पानी की शृंखला में प्रवेश कर जाती हैं। जब इस बारूदी कचरे को खुले में जलाया या फेंका जाता है, तो यह मिट्टी और जल निकायों को बुरी तरह प्रदूषित करता है। इसके अतिरिक्त, आतिशबाजी का तीव्र शोर शहरी जीवों व पशु-पक्षियों में गंभीर मानसिक व शारीरिक आघात का कारण बनता है, जो पशु क्रूरता निवारण एवं पर्यावरण संबंधी नियमों का सीधा उल्लंघन है। पर्यावरणीय संकट से निपटने के लिए जमीनी स्तर पर कानूनों का प्रभावी प्रवर्तन और सामाजिक चेतना में व्यापक बदलाव लाना आवश्यक है।

सर्वप्रथम, ग्रीन क्रैकर्स के नाम पर बाजार में बिक रहे फर्जी पटाखों पर रोक लगाने के लिए क्यूआर कोड-आधारित सत्यापन प्रणाली को अनिवार्य किया जाना चाहिए। द्वितीय, राज्य सरकारों को सामुदायिक आतिशबाजी को बढ़ावा देना चाहिए। तृतीय, पटाखों के निर्माण में लगे कारीगरों के आर्थिक हितों की रक्षा के लिए उन्हें हरित आतिशबाजी तकनीक या अन्य उद्योगों में पुनर्कौशल प्रदान कर पुनर्वासित करने की राष्ट्रीय योजना बननी चाहिए।

ब्राजील और सर्बिया में जनादेश के गहरे निष्कर्ष

भाषा सिंह



अस्सी साल के लूला दा सिल्वा ने एक बार फिर ब्राजील में चुनावी जीत हासिल करके अपना चौथा राष्ट्रपति कार्यकाल सुनिश्चित कर लिया है। उन्होंने जिस तरह से दक्षिणपंथी फ्लावियो बोल्सोनारो को हराया, वह अपने आप में रिकॉर्ड है। वह लातिन अमेरिका के सबसे बड़े देश ब्राजील के पहले ऐसे राष्ट्रपति बने जो चुनाव के पहले दौर में पीछे होने के बाद, सेकेंड राउंड में जीत गए। उनकी जीत से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को गहरा झटका लगा है। उधर, सर्बिया में छात्रों ने जिस तरह से चुनावी जीत हासिल करके सत्ता पर कब्जा जमाया है, उसने एक विश्वव्यापी सनसनी पैदा कर दी है। पिछले 12 साल से सत्ता पर काबिज राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुचिच को छात्र आंदोलन से जुड़ी पार्टी स्टूडेंट लिस्ट ने हरा दिया है, और वुचिच ने अपनी हार स्वीकार भी कर ली है।

ये दोनों घटनाक्रम ऐतिहासिक हैं और विश्व कूटनीति पर इनका दूरगामी असर पड़ेगा। सर्बिया में पिछले दो साल से भ्रष्टाचार के खिलाफ छात्रों का जुझारू आंदोलन चल रहा था, जिसे कंट्रोल करने व दबाने की हर संभव कोशिश वुचिच की सरकार ने की, लेकिन फिर ये छात्र स्टूडेंट लिस्ट पार्टी बनाकर चुनावी मैदान में उतरे और मौजूदा राष्ट्रपति को हरा दिया। ब्राजील और सर्बिया की सड़कों पर जश्न का माहौल है, जिसमें बड़ी संख्या में नौजवान शामिल हैं। ब्राजील में लूला ने अपनी जीत के लिए खास तौर से देश के नौजवानों का शुक्रिया अदा करके एजेंडा सेट करने की कोशिश भी की है। वामपंथी लूला को कुल वोटों का 51.79 फीसदी और उनके प्रतिद्वंद्वी फ्लावियो बोल्सोनारो को 48.21 फीसदी वोट मिले, दोनों के बीच लगभग 44 लाख वोटों का अंतर दर्ज किया गया। ब्राजील में लूला की जीत से दुनियाभर के पर्यावरणविदों को राहत मिली है, क्योंकि इससे दुनिया के फेफड़े कहे जाने वाले अमेजन रेनफॉरेस्ट को बचाने में मदद मिलेगी। दुनिया का सबसे सघन और सबसे अधिक ऑक्सीजन देने वाला जंगल है अमेजन, जिसे काटने पर आमादा हैं ट्रंप और उनके समर्थित बोल्सोनारो। लूला से पहले ट्रंप के दोस्त पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ब्राजील के राष्ट्रपति थे और उन्होंने अमेजन जंगल काटने वाली परियोजना को हरी झंडी दी थी, जिसका कड़ा विरोध हुआ था।

इस बार उनके 45 वर्षीय बेटे फ्लावियो बोल्सोनारो राष्ट्रपति के उम्मीदवार थे, क्योंकि उनके पिता पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो जेल में बंद हैं। लिहाजा लूला की जीत से अमेजन रेन जंगल को काटने की प्रक्रिया जो रुकी थी, वह बनी रहेगी। साथ ही, ब्राजील में रेयर अर्थ और नियोबियम जैसे रणनीतिक खनिजों का भंडार है। अमेरिका और खासतौर से ट्रंप इन्हें अपने रक्षा उद्योग के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जिसके लिए लूला सबसे बड़े रोड़े साबित हुए। लूला चाहते हैं कि इन संसाधनों पर ब्राजील का नियंत्रण रहे और वे अपनी शर्तों और जरूरत के हिसाब से दूसरे देशों को बेचें। वैसे भी लूला की जीत का महत्व सिर्फ ब्राजील तक ही सीमित नहीं रहेगा, इसका प्रभाव लातिन अमेरिका के देशों की राजनीति पर पड़ेगा, साथ ही अमेरिका और ट्रंप के वर्चस्व को भी चुनौती मिलेगी। लूला की जीत निश्चित तौर पर ब्रिक्स को और मजबूत करेगी और विश्व राजनीति को ज्यादा संतुलित करेगी। लातिन अमेरिका के देशों में अमेरिका ने पिछले कुछ समय में अपना दबदबा कायम किया, जिसमें वेनेजुएला पर कब्जा अहम है। लातिन अमेरिका के कई देशों में दक्षिणपंथी नेताओं ने चुनावी सफलता हासिल की, जिन्हें ब्राजील ने परास्त किया और इस बार भी।

अब ये जीत पूरे क्षेत्र में वामपंथी और सामाजिक कल्याण, युवाओं के अधिकारों का समर्थन करने वाली राजनीति को नया जीवन देने वाली साबित होगी। यह बात एकदम साफ है कि ब्राजील में लूला को हराने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बहुत जोर लगाया। इसमें दुनिया के सबसे ताकतवर व्यक्ति एलन मस्क की भूमिका भी संदिग्ध रही। मेटा की भूमिका पर भी सवाल उठे और लूला ने जीत के बाद तुरंत इस ओर इशारा भी कर दिया। वैसे भी लूला और ट्रंप के बीच व्यापार, टैरिफ और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति को लेकर कड़ा टकराव जगजाहिर रहा है, जो अब ऐलानिया तौर पर और बढ़ेगा। वैसे भी लूला ब्राजील की स्वतंत्र विदेश नीति, स्वतंत्र टेक्नोलॉजी के पक्षधर रहे हैं। भारत और ब्राजील दोनों ब्रिक्स और जी20 जैसे मंचों के सदस्य हैं।

चूंकि लूला विश्व व्यापार को डॉलर-मुक्त करने के लिए कोशिश करते रहे हैं। ब्रिक्स के जरिए उन्होंने इसके पक्ष में जबर्दस्त बैटिंग की, अब उनके ये प्रयास और तेज होंगे। इस मांग में चीन व रूस भी ब्राजील के साथ खड़े हैं, इसीलिए उनकी जीत से खलबली मची हुई है। दरअसल, जो लोग विश्व राजनीति के बहुध्रुवीय बनाने की इच्छा रखते हैं, वे लूला की जीत का जश्न मना रहे हैं। उधर सर्बिया की जीत ने विश्व मानचित्र पर लिख दिया कि छात्रों की राजनीति, उनके आंदोलन कैसे राजनीति में बड़े बदलाव ला सकते हैं। सर्बिया के छात्रों ने दो साल में जैसे राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुचिच को हराया, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है। स्टूडेंट लीड पार्टी, जिसका जन्म दो साल से भी कम समय पहले हुआ था, उसने रिकॉर्ड जीत हासिल करके सत्ता के तमाम समीकरणों को बदल दिया है। यह कल्पना करना भी मुश्किल है कि नवंबर 2024 में सर्बिया के नोवी साद रेलवे स्टेशन का शेड गिरने और उससे 16 लोगों की हुई मौत के खिलाफ जो छात्रों का आंदोलन शुरू हुआ था, उसने इतने जमे-जमाए राष्ट्रपति वुचिच को सत्ता से उखाड़ फेंका और वह भी पूरी तरह से शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के जरिए।

कद्दू से बनाएं ये लाजवाब डिश

अगर घर में कद्दू ज्यादा आ गया है और आप बार-बार एक ही तरह की सब्जी खाकर बोर हो चुके हैं, तो अब कुछ नया ट्राई करने का समय है। कद्दू से आप मीठे से लेकर नमकीन तक कई तरह की रेसिपीज तैयार कर सकते हैं। खास बात यह है कि इनमें से कुछ डिश ऐसी हैं जिन्हें देखकर शायद आपको पहली नजर में यकीन ही न हो कि ये कद्दू से बनी हैं। कद्दू में मौजूद पोषक तत्व इसे स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिहाज से भी अच्छा विकल्प बनाते हैं। तो कद्दू से बनने वाली ये रेसिपीज आपके खाने का स्वाद और अंदाज दोनों बदल सकती हैं।



कद्दू का हलवा

कद्दू का हलवा एक बेहद स्वादिष्ट, पौष्टिक और बनाने में आसान मिठाई है, जिसे त्योहारों या व्रत (जैसे नवरात्रि, शिवरात्रि) में विशेष रूप से खाया जाता है। मीठा खाने के शौकीनों के लिए कद्दू का हलवा काफी स्वादिष्ट विकल्प है। सबसे पहले कद्दू को छीलकर कद्दूकस कर लें और उसका अतिरिक्त पानी हैल्का निचोड़ दें। कड़ाही में घी गर्म करके कद्दू को अच्छी तरह भूनें, ताकि उसका कच्चापन खत्म हो जाए। इसके बाद दूध और चीनी डालकर धीमी आंच पर पकाएं। जब दूध सूखने लगे और हलवा गाढ़ा हो जाए तो इसमें इलायची पाउडर, काजू, बादाम और किशमिश डालें। ऊपर से थोड़ा घी डालकर गर्मागर्म परोस सकते हैं।

कद्दू की खीर



ये एक बेहद स्वादिष्ट, मलाईदार और पोषक तत्वों से भरपूर पारंपरिक मिठाई है, जिसे त्योहारों, शादियों या व्रत (जैसे नवरात्रि) के दौरान विशेष रूप से बनाया जाता है। कद्दू से बनने वाली खीर स्वाद में सामान्य खीर से थोड़ी अलग होती है। इसे बनाने के लिए कद्दू को कद्दूकस करके हल्का उबाल लें या थोड़े घी में भून लें। अब इसे दूध में डालकर मध्यम आंच पर पकाएं। जब कद्दू अच्छी तरह नरम हो जाए और दूध थोड़ा गाढ़ा होने लगे तो इसमें चीनी मिलाएं। इसके बाद इलायची, केसर, काजू, बादाम और पिस्ता डालें। कुछ देर और पकाने के बाद गैस बंद कर दें। इसे गर्म भी खा सकते हैं और ठंडा करके भी सर्व कर सकते हैं।



रोस्टेड कद्दू

ओवन में रोस्टेड कद्दू(भुना हुआ कद्दू) बनाना एक बेहद आसान और स्वादिष्ट तरीका है जो कद्दू के प्राकृतिक मीठे स्वाद को और बढ़ा देता है। आप इसे एक बेहतरीन साइड डिश के रूप में परोस सकते हैं। इसके अलावा कद्दू को एक हेल्दी स्नैक के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए कद्दू को छीलकर छोटे और बराबर आकार के टुकड़ों में काट लें। अब इनमें थोड़ा जैतून का तेल, नमक, काली मिर्च, चिली फ्लेक्स और अपनी पसंद की हर्ब्स डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इन्हें ओवन या एयर फ्रायर में तब तक रोस्ट करें, जब तक किनारे हल्के सुनहरे और क्रिस्पी न हो जाएं। इसे शाम के स्नैक के तौर पर या लंच-डिनर में साइड डिश की तरह परोसा जा सकता है।



कद्दू का सूप

अगर आप कुछ हल्का और हेल्दी खाना चाहते हैं तो कद्दू का सूप एक अच्छा विकल्प है। इसके लिए कद्दू को छोटे टुकड़ों में काटकर उबाल लें या हल्का रोस्ट कर लें। अब इसे ब्लेंड करके स्मूद प्यूरी तैयार करें। एक पैन में थोड़ा मक्खन गर्म करके अदरक और लहसुन भूनें। इसमें कद्दू की प्यूरी डालकर काली मिर्च, नमक और जरूरत के अनुसार पानी या वेजिटेबल स्टॉक मिलाएं। कुछ मिनट धीमी आंच पर पकाने के बाद ऊपर से फ्रेश क्रीम, धनिया या भुने हुए कद्दू के बीज डालकर गर्मागर्म सर्व करें।

कद्दू के चीले

कद्दू का चीला एक बेहद स्वादिष्ट, पौष्टिक और वजन घटाने में मददगार नाश्ता है। इसे सूजी या बेसन के साथ आसानी से बनाया जा सकता है। इसलिए नाश्ते में कुछ अलग ट्राई करना है तो कद्दू के चीले बनाए जा सकते हैं। इसके लिए कद्दू को कद्दूकस करके बेसन में मिलाएं। इसमें बारीक कटी हरी मिर्च, धनिया, अजवाइन, नमक और अपने पसंदीदा मसाले डालें। थोड़ा पानी मिलाकर न ज्यादा पतला और न ज्यादा गाढ़ा बैटर तैयार करें। गर्म तवे पर थोड़ा तेल डालकर बैटर फैलाएं और दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेंकें। इन्हें हरी चटनी, दही या टमाटर की चटनी के साथ परोसें।

हंसना मना है

पति- आज खाना सासू मां ने बनाया है क्या? पत्नी- वाह कैसे पहचाना। पति- जब तुम बनाती थी तो काले बाल निकलते थे ... आज सफेद निकला है।

मास्टर जी - शांति किसके घर में रहती है... पप्पू- जिस घर में पति और पत्नी दोनों मोबाइल चलाते हैं...

यमराज (औरत से)- चलो, मैं तुम्हें लेने आया हूं। औरत- बस दो मिनट दे दो। यमराज- दो मिनट में ऐसा क्या कर लोगी... औरत- फेसबुक पर स्टेटस डालना है, यह सुनकर यमराज हो गए बेहोश...

पति और पत्नी एक कुएं के पास गए, जहां सिक्का डालने से मन की मुराद पूरी हो जाती थी... पहले पति ने सिक्का डाला, फिर पत्नी जैसे ही सिक्का डालने गई तो पैर फिसल गया और वो कुएं में गिर गई! पति की आंखों में आंसू आ गए, ऊपर देखते हुए बोला- हे भगवान, इतनी जल्दी सुन ली...

पप्पू- मुझे फोन पर जान से मारने की धमकी मिल रही है... इंस्पेक्टर - कौन दे रहा है... पप्पू - बिजली वाले। कहते हैं, बिल नहीं भरा तो काट देंगे...!!!

कहानी | डायनासोर की गुफा

सालों पहले मिमसपुर गांव में गुफा में एक डरावना और उड़ने वाला डायनासोर रहता था। वह डायनासोर इतना खतरनाक था कि उसके मुंह से आग भी निकलती थी। हर महीने वो डायनासोर गांव में उड़ते हुए मुंह से आग निकालकर गांव के कई घरों को जला देता था। ऐसे ही हर महीने उस गांव के कई घर और खेत जलकर राख हो जाते थे। हर तरफ उस डायनासोर का डर था। अपने गांव के लोगों को इतना परेशान देखकर राजा ने उस डायनासोर को मारने का फैसला लिया। उन्होंने उसकी गुफा में 10 से 12 सैनिक भेजे। कुछ सैनिकों ने जैसे ही डायनासोर पर चाकू से हमला किया, तो वैसे ही डायनासोर नींद से जग गया और सारे सैनिकों को मार दिया। राजा जितनी बार भी सैनिकों को गुफा में भेजते, वो डायनासोर मुंह से आग निकालकर सभी को खत्म कर देता। इस सबसे परेशान होकर राजा ने गांव में घोषणा कर दी कि जो भी उस खतरनाक डायनासोर को मारेगा उसे वो दस हजार सोने की मोहर देंगे। उसी गांव में एक काफी बुद्धिमान व्यक्ति भी रहता था। उसने जैसे ही यह एलान सुना, तो राजा को डायनासोर के आतंक से बचने का उपाय बता दिया। उसने कहा कि हम लोहे को पिघला लेते हैं और उससे बनने वाले लार्वे को डायनासोर पर डाल देंगे। गर्म लार्वे से बचने के लिए जैसे ही डायनासोर उड़ने लगेगा, तो पत्थरों से टकरा जाएगा और उन्हीं के नीचे दबकर उसकी जान निकल जाएगी। राजा को उसका यह सुझाव अच्छा लगा। उन्होंने अपने सैनिकों को कहकर तुरंत लार्वा तैयार करवाया और सैनिकों के साथ डायनासोर की गुफा में पहुंच गए। फिर ठीक वैसा ही किया जैसा उस बुद्धिमान व्यक्ति ने राजा को करने के लिए कहा था। डायनासोर पर लार्वा जैसे ही गिरा वो इधर-उधर देखे बिना झटके से उड़ने लगा और गुफा से टकरा गया। इसी बीच गुफा के ऊपर के पत्थर उसके ऊपर गिरने लगे और वो उन्हीं के नीचे दबकर मर गया। ऐसा होते ही राजा और पूरे गांव को राहत मिली और राजा ने इस तरकीब को सुझाने वाले व्यक्ति को दस हजार सोने की मोहर इनाम में दे दीं और अपने यहां मंत्री के पद पर भी उसे नियुक्त कर लिया।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा कल का दिन



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष



साहस और पराक्रम से कठिन लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे। व्यापार में नया अनुबंध मिल सकता है, मुनाफा होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा, आनंद मिलेगा।

वृषभ



कार्यस्थल पर वाणी पर नियंत्रण रखें, विवाद से बचें। व्यापार में पैसों के लेन-देन में सतर्कता बरतें। परिवार के सदस्यों के साथ सामंजस्य बनाकर चलें।

मिथुन



दफ्तर में आपके काम की सराहना होगी, पदोन्नति के संकेत हैं। व्यापारिक विस्तार की योजनाएं गति पकड़ेंगी। जीवनसाथी के साथ संबंध और अधिक प्रगाढ़ होंगे।

कर्क



दफ्तर में काम का बोझ बढ़ सकता है, संयम रखें। व्यापारिक यात्रा में सावधानी रखें, कागजात जांच लें। परिजनों के साथ किसी बात पर मतभेद हो सकता है, शांत रहें।

सिंह



कार्यक्षेत्र में आपका दबदबा रहेगा, काम आसानी से होंगे। व्यापार में बड़े मुनाफे के संकेत हैं, नए समझौते होंगे। संतान की ओर से मन प्रसन्न रहेगा, घर में खुशी होगी।

कन्या



वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन तरक्की दिलाएगा। व्यापार में संपत्ति या भूमि से जुड़े लाभ हो सकते हैं। परिवार का माहौल शांतिपूर्ण और सुखद बना रहेगा।

तुला



दफ्तर में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, काम पूरे होंगे। व्यावसायिक गतिविधियों में सफलता और लाभ मिलेगा। भाई-बहनों के साथ रिश्ते मजबूत होंगे, सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक



दफ्तर में आपकी बात का प्रभाव रहेगा, काम सुचारू चलेगा। व्यापार में नया निवेश भविष्य में बड़ा फायदा देगा। पारिवारिक जीवन में सौहार्द और खुशहाली रहेगी।

धनु



आपके निर्णय सटीक रहेंगे, कार्यस्थल पर प्रभाव बढ़ेगा। जीवनसाथी के साथ आपसी समझ और तालमेल बढ़ेगा। व्यापार में नए विचार और रणनीतियां लाभदायक रहेंगी।

मकर



काम में थोड़ी रुकावट आ सकती है, धैर्य से काम लें। व्यावसायिक सौदों में सोच-समझकर कदम उठाएं। परिजनों से बातचीत में विनम्रता बनाए रखें।

कुम्भ



कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाएं सफल होंगी, लाभ होगा। व्यापार में विस्तार के अवसर मिलेंगे, मुनाफा बढ़ेगा। दोस्तों के साथ सुखद समय बिताने का मौका मिलेगा।

मीन



नौकरी में प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं। व्यापार में बनाई गई योजनाएं शत-प्रतिशत सफल होंगी। परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा, माहौल अच्छा रहेगा।

राणा दग्गूबाती संग दहशत मचायेंगी कंगना रनौत



बीजेपी सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौत अब फिल्मों में तगड़े कमबैक की तैयारी में जुट गई हैं। उनकी फिल्म क्वीन 2 तो आने ही वाली है। लेकिन इसके साथ-साथ वो हॉरर फिल्मों में भी वापसी करने वाली हैं। 17 साल के बाद वो एक हॉरर फिल्म में काम करेंगी, जिसमें बाहुबली वाले राणा दग्गुबाती भी होंगे। एक्टर ने खुद इस प्रोजेक्ट की अनाउंसमेंट की है। दिल्ली में हुए हॉररकॉन इंडिया 2026 में एक्टर राणा दग्गुबाती ने अपनी आने वाली फिल्म को लेकर अचानक बड़ा ऐलान किया। उन्होंने बताया कि वो स्केरी पिक्चर नाम की एक हॉरर फिल्म प्रोड्यूस करने जा रहे हैं। इस फिल्म को तेलुगू फिल्ममेकर और एक्टर रवि बाबू डायरेक्ट करेंगे, जो अपनी अलग तरह की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। फिल्म में कंगना रनौत नजर आएंगी। कंगना ने भी रविवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस फिल्म की जानकारी शेयर की। हॉररकॉन में मौजूद लोगों ने इस इवेंट के कई वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। इनमें राणा दग्गुबाती स्टेज पर अपनी अगली फिल्म का ऐलान करते नजर आ रहे हैं। स्क्रीन पर दिखाई गई एक झलक से पता चला कि फिल्म का नाम स्केरी पिक्चर है। फिल्म के टाइटल से अंदाजा लगाया जा रहा है कि इसे हिंदी में बनाया जाएगा। हालांकि, राणा के प्रोडक्शन हाउस की तरफ से अभी तक फिल्म को लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है। वहीं, कंगना ने इंस्टाग्राम के एक पेज पर शेयर किए गए उस वीडियो को रीपोस्ट किया है, जिसमें राणा इस फिल्म का ऐलान कर रहे हैं। इवेंट में राणा ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा- ये एक हॉरर फिल्म है। इसे रवि बाबू नाम के डायरेक्टर बना रहे हैं, जो मेरे दोस्त हैं। उन्होंने तेलुगू में कई हॉरर फिल्में बनाई हैं। हिंदी में बतौर डायरेक्टर ये उनकी पहली फीचर फिल्म होगी। फिल्म का टाइटल सबसे पहले यहीं अनाउंस किया जा रहा है। अभी तक हिंदी मीडिया को भी इसकी जानकारी नहीं दी गई थी। हम पहली बार इस फिल्म के बारे में बता रहे हैं। कंगना रनौत ने आखिरी बार एक हॉरर फिल्म राज 2 में काम किया था, जिसमें इमरान हाशमी भी थे। ये साल 2009 में रिलीज हुई थी, जिसे मोहित सूरी ने डायरेक्ट किया। बॉक्स ऑफिस पर इसे हिट का टैग मिला था। अब सालों बाद वो फिर हॉरर जॉनर में कदम रखने वाली हैं। देखना होगा कि उन्हें इसमें कितनी सफलता मिलेगी।

इमरान खान ने बिना शर्त बॉम्बे हाईकोर्ट से मांगी माफी



आमिर खान के भांजे इमरान खान इन दिनों चर्चा में हैं। इमरान खान को 28 अक्तूबर तक भारत छोड़ने का नोटिस भेजा गया था। इस नोटिस के खिलाफ इमरान खान ने बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया था। 27 अक्टूबर को बॉम्बे हाईकोर्ट में इमरान खान की याचिका पर सुनवाई हुई थी। मामले में कोर्ट ने इमरान के खिलाफ जारी हुए भारत छोड़ने के नोटिस पर 2 नवंबर तक रोक लगा दी थी। जिसके बाद 2 नवंबर को फिर से सुनवाई हुई। अभिनेता इमरान खान की याचिका पर बॉम्बे हाईकोर्ट में 2 नवंबर को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान इमरान खान की ओर से वरिष्ठ वकील वेंकटेश धोंड पेश हुए, जबकि महाराष्ट्र सरकार की तरफ से सरकारी वकील अंजलि हेलेकर ने पक्ष रखा। मुख्य न्यायाधीश महेश चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता वाली पीठ ने इमरान के खिलाफ दर्ज एफआईआर की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी मांगी। अभिनेता इमरान खान ने बॉम्बे हाईकोर्ट में बिना शर्त माफी मांग ली है। उन्होंने कोर्ट को भरोसा दिलाया है कि वह भविष्य में किसी भी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लेंगे। इमरान ने इस संबंध में अदालत में एक हलफनामा भी दिया है।

वहीं, बॉम्बे हाईकोर्ट ने इमरान खान की याचिका पर अगली सुनवाई के लिए 7 दिसंबर की तारीख तय की है। कोर्ट ने तब तक उनके खिलाफ जारी लीव इंडिया नोटिस पर रोक जारी रखने का फैसला किया है। यानी अगली सुनवाई तक FRRO इस नोटिस के आधार पर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेगा। इमरान ने मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में हुए एक विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया था, जिसमें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की गई थी। इसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। फिर जानकारी मिली कि भारतीय नागरिक न होने के बावजूद इमरान ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। खबरों के अनुसार, इमरान खान के पास अमेरिकी पासपोर्ट है। इसके बाद इमरान खान के खिलाफ इमिग्रेशन एक्ट की धारा 29 और 7 के तहत कार्रवाई शुरू की गई है। मुंबई पुलिस ने इमरान खान को 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने का नोटिस भेजा था।

कानूनी पचड़े में फंसी रवि तेजा की फिल्म इरुमुडी



साउथ के बेहतरीन कलाकार रवि तेजा की अदाकारी वाली फिल्म इरुमुडी कानूनी विवाद में फंस गई है। बाल कलाकार नक्षत्र को लेकर मिली एक शिकायत के बाद, तेलंगाना श्रम विभाग ने फिल्म के निर्माताओं को नोटिस भेजा है। विभाग ने यह कदम तब उठाया जब उन्हें इस बात की शिकायत मिली कि एक नाबालिग बच्ची को फिल्म की शूटिंग और प्रचार में शामिल किया गया था। इस मामले को लेकर फिल्म के निर्माता, मैथरी मूवी मेकर्स के साथ एक बैठक तय की गई है। तेलंगाना टुडे के मुताबिक जय लोक सत्ता के संस्थापक-अध्यक्ष सी. महेश बाबू ने श्रम विभाग में एक शिकायत दर्ज कराई है। इसमें नक्षत्र के काम के घंटे, उसे मिलने वाली फीस और अन्य मुद्दों को उठाया गया है। रंगा रेड्डी जोन के संयुक्त श्रम आयुक्त ने 4 नवंबर को प्रोडक्शन हाउस के साथ एक बैठक बुलाई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विभाग इस बात की भी जांच करेगा कि क्या किसी प्रचार कार्यक्रम के दौरान हुई बातचीत या इस्तेमाल की गई भाषा से बाल कलाकार की गरिमा और सुरक्षा पर कोई असर पड़ा है। विभाग ने जिला मजिस्ट्रेट की अनुमति, माता-पिता की सहमति, काम के घंटे, उपस्थिति, पढ़ाई-लिखाई की व्यवस्था और सुरक्षा उपायों से जुड़े दस्तावेज मांगे हैं। निर्माताओं से यह भी कहा गया है कि वे नक्षत्र के प्रचार गतिविधियों में शामिल होने का रिकॉर्ड दें। इसके अलावा यह जानकारी दें कि क्या उसकी कमाई का 20त्न हिस्सा उसके नाम पर किसी फिक्स्ड डिपॉजिट खाते में जमा किया गया है या नहीं। निर्माताओं को निर्देश दिया गया है कि वे बैठक में जरूरी दस्तावेज साथ लेकर आएं।

सोते-सोते दौरा पड़ने से एक्टर अनुज ठाकुर का हुआ निधन



मशहूर टीवी एक्टर अनुज ठाकुर का अचानक निधन हो गया है। अनुज ने 33 साल की कम उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है। अनुज रात में सोए और फिर वो सुबह की रोशनी देख ही नहीं पाए। नींद में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके अचानक निधन से परिवार टूट गया है। टीवी इंडस्ट्री में भी सन्नाटा पसर गया है। अनुज ठाकुर का निधन मुंबई के ओशिवारा स्थित उनके घर पर ही सोते समय हुआ है। बताया जा रहा है कि मंगलवार (27 अक्टूबर) को नींद में ही दौरा पड़ने से उनका निधन हुआ। एक्टर के करीबी दोस्त और कास्टिंग डायरेक्टर रूपेश सोनार ने इंडिया टुडे/ आज तक संग खास बातचीत में इस खबर की पुष्टि की है। रूपेश सोनार ने बताया कि अनुज का परिवार उनके अचानक हुए निधन से गहरे सदमे में है और उन्होंने इस मुश्किल घड़ी में प्राइवेसी की अपील की है।

एआर रहमान ने आलोचनाओं पर तोड़ी चुप्पी- कहा

हर किसी को खुश करना मुमकिन नहीं



नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म रामायण को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता है। फिल्म के टीजर और गानों के सामने आने के बाद से ही इसके म्यूजिक पर भी खूब चर्चा हो रही है। खासकर हाल ही में रिलीज हुए गाने मंगल रंग को लेकर सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही हैं। कुछ लोग इसके म्यूजिक की तारीफ कर रहे हैं, तो कुछ इसके अंदाज पर सवाल उठा रहे हैं। इसी बीच फिल्म के म्यूजिक कंपोजर एआर रहमान ने आलोचनाओं पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने साफ कहा कि हर किसी को खुश करना मुमकिन नहीं है।

एक इंटरव्यू में बात करते हुए रहमान ने कहा, मैं खुद अपना पहला आलोचक हूं। ऐसा नहीं है कि मुझे अपना बनाया हुआ हर काम पसंद आता है। हम किसी चीज का फैसला एक दिन में नहीं करते। कई बार हम उसके साथ महीनों तक रहते हैं। इसके पीछे एक सोच और पूरी प्रक्रिया होती है। फिर अपनी बात समझाने के लिए रहमान ने खाने का उदाहरण भी दिया। उन्होंने कुछ धुनों की तुलना अचार से करते हुए कहा कि कुछ चीजें वक्त के साथ और बेहतर होती हैं। रहमान के मुताबिक, कई बार आपको चीजों को समझने के लिए थोड़ा समय देना पड़ता है। कभी-कभी किसी चीज को अचार की तरह छोड़ देना चाहिए। कुछ धुनें ऐसी होती हैं, जो जितनी पुरानी होती हैं, उतनी ही बेहतर लगने लगती हैं। कंपोजर ने आगे कहा, लोग कई बार सिर्फ एक पहलू देखते हैं। वे पूरी तस्वीर नहीं देखते। इसलिए कभी-कभी धैर्य रखना पड़ता है। फिर जब लोग उसे समझते हैं, तो कहते हैं कि अच्छा, आपने ऐसा इसलिए किया था।

हालांकि, रहमान ने यह भी माना कि लोगों की राय को एक हद तक ही महत्व दिया जा सकता है। उनके मुताबिक, एक समय के बाद कंपोजर को आगे बढ़ना चाहिए और हर किसी को खुश करने की कोशिश में नहीं उलझना चाहिए। इसी बात को समझाने के लिए उन्होंने स्टीव जॉब्स के आइसक्रीम वाले बयान का जिक्र करते हुए कहा कि अगर आप सभी को खुश करना चाहते हैं, तो आइसक्रीम बेचो।

दरअसल, मंगल रंग गाने में अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसके बोल कुमार विश्वास ने लिखे हैं।

रिलीज से पहले ही शाहरुख की किंग ने मचाया भौकाल



शाहरुख खान की आखिरी फिल्म साल 2023 में आई डंकी थी, उस साल एक्टर की दो और ब्लॉकबस्ट फिल्में आई थीं पठान और। तब से फैंस सुपरस्टार की फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फाइनली तीन साल के ब्रेक के बाद शाहरुख खान बड़े पर्दे पर कमबैक करने वाले हैं।

दरअसल एक्टर की किंग इस दिसंबर में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को लेकर फैंस में जबरदस्त एक्साइटमेंट है। वहीं दिलचस्प बात येहै कि किंगने रिलीज से पहले ही 800 करोड़ का कलेक्शन कर डाला है। चलिए यहां आपको डिटेल में बताते हैं कि शाहरुख खान की किंगने रिलीज से पहले ही छप्परफाड़ कमाई कैसे कर डाली है?

किंग ने 800 करोड़ की कर डाली कमाई

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहरुख खान की आने वाली फिल्म किंग400 करोड़ के बजट में बनी फिल्म बताई जा रही है। वहीं इसने रिलीज से पहले ही 750 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस कर लिया है, जिससे सिनेमाघरों में इसके आने से पहले ही काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। बता दें कि इतने शानदार आंकड़े फिल्म की रिलीज से पहले हुए डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स, स्ट्रीमिंग डील्स और अन्य कमर्शियल डील्स की वजह से सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि किंगके डिजिटल या ओटीटी राइट्स काफी मोटी रकम में बिके हैं।

देश में रैलियों को लेकर मचा सियासी शोर

पूरे देश के नागरिक सरकार के खिलाफ अपनी आवाज उठाना चाहते हैं : सिब्बल

» कांग्रेस व राजद ने भाजपा को घेरा

» भाजपा को रैलियों का नाम हमें बचाओ रखना चाहिए : सिब्बल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में रैलियां चल रही हैं। विपक्ष तो सरकार की नाकामी के खिलाफ रैली निकाल रहा है वहीं सत्ता पक्ष भी रैली निकाल रही है। दोनो ओर इसको लेकर सियासत गरमाई हुई है। जहां भाजपा ने विपक्ष की रैली को फ्लाप बताया है तो वहीं रास सांसद कपिल सिब्बल ने तंत्र नहीं, हमें बचाओ कह कर भाजपा पर तंज कसते हुए उसकी रैली पर टिप्पणी ी हैं। वहीं राजद नेता तेजस्वी ने केंद्रीय मंत्री रिजिजू पर निशाना साधा है। इंडिया ब्लॉक की वोट बचाओ, देश बचाओ रैली में पांच से छह लाख लोगों के जुटने का दावा करते हुए कपिल सिब्बल ने भाजपा पर तंज कसा है।

सत्ता पक्ष व विपक्ष में वार-पलटवार

उन्होंने कहा कि भाजपा को अपनी रैलियों का नाम हमें बचाओ रखना चाहिए। सिब्बल ने जंतर-मंतर की हिंसा और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों का शांतिपूर्ण तरीके से जुटना दिखाता है कि देश के नागरिक सरकार के खिलाफ अपनी आवाज उठाना चाहते हैं। सिब्बल ने भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि अब उसे अपनी रैलियों का नाम लोकतंत्र बचाओ या देश बचाओ रखने के बजाय हमें बचाओ रखना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा विपक्ष की रैली में जुटी भीड़ से चिंतित है। कपिल सिब्बल ने कहा कि रामलीला मैदान में हुई रैली में उनके अनुमान के मुताबिक पांच से छह लाख लोग मौजूद थे। उन्होंने दावा किया कि कनॉट प्लेस और उससे जुड़ने वाली आसपास की सड़कों पर पूरी तरह जाम लगा हुआ था और कहीं भी खाली जगह दिखाई नहीं दे रही थी। सिब्बल के मुताबिक, इतनी बड़ी संख्या में लोगों का जुटना भाजपा के लिए चिंता का विषय बन गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की रैली में लोग शांतिपूर्वक शामिल हुए और हिंसा की कोई घटना नहीं हुई।



जंतर-मंतर पर हुई हिंसा को लेकर सिब्बल ने क्या सवाल उठाए?

सिब्बल ने जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि वहां युवा शांतिपूर्वक भूख हड़ताल पर बैठे थे और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। उन्होंने सवाल किया कि जब प्रदर्शन शांतिपूर्ण था तो हिंसा किसने भड़काई। सिब्बल ने सरकार से इस घटना की जांच कराने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान पत्थरों से भरा ट्रक लाया गया था और कुछ लोग बिना वर्दी के वहां मौजूद थे। उन्होंने सवाल किया कि ट्रक कौन लाया था और सादे कपड़ों में मौजूद वे लोग कौन थे। सिब्बल ने दावा किया कि सरकार को इन सवालों के जवाब पता हैं, लेकिन वह जांच नहीं कराएगी। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि उसकी राजनीति में हिंसा भड़काने, लाठीचार्ज और पैलेट गन के इस्तेमाल के बाद युवाओं को ही जिम्मेदार ठहराने का तरीका अपनाया जाता है।

6 दिन अवैध हिरासत में रखने पर पुलिस देगी 1.25 लाख मुआवजा

» इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनाया आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने देवरिया के चंदन राजभर को अवैध हिरासत में रखने के मामले में बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने पुलिस को हिरासत में बिताए प्रत्येक दिन के लिए 25 हजार रुपये के हिसाब से कुल 1.25 लाख रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की पीठ ने झांती देवी और दो अन्य की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने साफ किया कि मुआवजा मिलने के बाद भी चंदन राजभर पुलिस विभाग से अतिरिक्त नुकसान की भरपाई के लिए दीवानी मुकदमा दायर कर सकते हैं।

मामले के अनुसार, 18 जुलाई 2026 को देवरिया के सलेमपुर थाने में भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता की धारा 87 के तहत एफआईआर दर्ज हुई थी। शिकायतकर्ता महिला ने आरोप लगाया था कि चंदन राजभर उसकी 18 वर्षीय बेटी को भगाकर ले गया है। याचिकाकर्ताओं के मुताबिक, चंदन और युवती ने बिहार के सिवान स्थित दुर्गा मंदिर में शादी कर ली थी। इसके बाद दोनों पुणे चले गए और पति-पत्नी की तरह रहने लगे। आरोप है कि 24 अगस्त की रात युवती के पिता कुछ पुलिसकर्मियों के साथ पुणे स्थित दंपति के घर पहुंचे। पुलिस दोनों को हिरासत में लेकर 27 अगस्त की रात संबंधित थाने ले आई। चंदन को 28 अगस्त से 2 सितंबर तक हिरासत में रखा गया, जबकि गिरफ्तारी के दस्तावेज 2 सितंबर को तैयार किए गए। राज्य सरकार के वकील ने कोर्ट को बताया कि क्षेत्राधिकारी की 21 अक्टूबर की जांच रिपोर्ट में जांच अधिकारी दीप नारायण यादव को जानबूझकर अवैध हिरासत में रखने का दोषी पाया गया है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को ग्लेन मैक्सवेल ने कहा अलविदा

» 2012 में अफगान के खिलाफ वनडे से किया था डेब्यू, ऑस्ट्रेलिया को तीन बार बनाया चैंपियन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। इसके साथ ही एक दशक से ज्यादा लंबे उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत हो गया। 38 वर्षीय मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों फॉर्मेट में कुल 286 मुकाबले खेले। इस दौरान उन्होंने 7226 रन बनाने के साथ 136 विकेट भी हासिल किए। द बिग शो के नाम से मशहूर मैक्सवेल ऑस्ट्रेलिया की 2015 और 2023 वनडे विश्व कप विजेता टीम के अहम सदस्य रहे। इसके अलावा वह 2021 में टी20 विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का भी हिस्सा थे।

मैक्सवेल ने द फाइनल वर्ड पॉडकास्ट पर अपने संन्यास को लेकर कहा, यह फैसला थोड़ा दुखद है, लेकिन कहीं न कहीं इसकी उम्मीद भी थी। मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के साथ-साथ विक्टोरिया के लिए 50 ओवर और चार दिवसीय घरेलू क्रिकेट से भी संन्यास का एलान कर रहा हूं। रेड बॉल क्रिकेट को पूरी तरह छोड़ने का फैसला शायद किसी को चौंकाने वाला नहीं होगा। मैक्सवेल ने साल 2012 में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे मुकाबले से डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार पावर हिटिंग और अनोखे शॉट्स के दम पर दुनिया के सबसे खतरनाक व्हाइट-बॉल बल्लेबाजों में अपनी पहचान बनाई। मैक्सवेल अपनी बल्लेबाजी से किसी भी समय मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते थे। गेंदबाजी में उपयोगी ऑफ स्पिन और मैदान पर बेहतरीन फील्डिंग ने उन्हें एक संपूर्ण ऑलराउंडर बनाया। मैक्सवेल टी20 में पांच शतक लगा चुके हैं। इस उपलब्धि के साथ वह भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के साथ संयुक्त रूप से इस प्रारूप में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने कई मौकों पर ऑस्ट्रेलिया को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाला।



राइजिंग स्टार एशिया कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कतर के दोहा में होने वाले राइजिंग स्टार एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय इंडिया-ए टीम की घोषणा कर दी है। तिलक वर्मा को टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जबकि रजत पाटीदार को उपकप्तान बनाया गया है। चयनकर्ताओं ने इस बार युवा प्रतिभाओं और सीनियर टीम के दरवाजे पर दस्तक दे रहे खिलाड़ियों का एक बेहतरीन संतुलन तैयार किया है। राइजिंग स्टार एशिया कप के लिए चुनी गई इस टीम में टी-20 स्पेशलिस्ट रिंकू सिंह, अभिषेक शर्मा और तेज गेंदबाज हर्षित राणा जैसे बड़े नामों को शामिल किया गया है। वहीं, युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी भी अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। टीम में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी के लिए प्रभसिमरन सिंह और कुमार कुशाग्र के रूप में दो मुख्य विकेटकीपरों को चुना गया है। कप्तान तिलक वर्मा और वैभव सूर्यवंशी की जोड़ी पहले भी कमाल कर चुकी है। हाल ही में श्रीलंका में खेली गई 2026 की वनडे ट्राई-नेशन सीरीज में वैभव ने तिलक की कप्तानी में 5 मैचों में 200.95 के तूफानी स्ट्राइक रेट से 211 रन बनाए थे।

रैली फ्लॉप थी तो इतनी घबराहट क्यों: तेजस्वी

» कहा- चोरी पकड़ी गई, इसलिए परेशान हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के इंडिया गठबंधन की रैली को 'फ्लॉप शो' बताने वाले तंज पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, अगर कार्यक्रम फ्लॉप था, तो वे इतना घबरा क्यों रहे हैं? सभी जानते हैं कि वे इस बात से परेशान और नाराज हैं कि उनकी चोरी पकड़ी गई है। वे ज्ञानेश कुमार को बचा रहे हैं। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को इंडिया गठबंधन की महारैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जु खड़गे, राहुल, ममता, अखिलेश, तेजस्वी जैसे विपक्षी नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने तक लड़ाई जारी रखने की बात कही।

विपक्ष का आरोप है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी स्क्रूक्र में गड़बड़ियां हुई हैं और इसके जरिए मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। नेताओं ने कहा कि जब तक ज्ञानेश कुमार पद पर बने रहेंगे, उनका विरोध जारी रहेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश में लोकतंत्र को बचाने के लिए मोदी को हटाना होगा। उन्होंने मोदी हटाओ, लोकतंत्र बचाओ का नारा दिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित विपक्ष के कई प्रमुख नेता इस रैली में शामिल हुए। इधर, बीजेपी ने इस रैली को फ्लॉप क़रार दिया और दावा किया कि 40 फीसदी रामलीला मैदान खाली रहा।



लैंडिंग के दौरान टकराए दो हेलीकॉप्टर, भारतीय नागरिक की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

काठमांडू। नेपाल में आज सुबह बड़ा हादसा हो गया है। सोलुखुम्बु हेलीपैड पर दो हेलीकॉप्टरों के बीच टक्कर हो गई। लैंडिंग के दौरान दो हेलीकॉप्टरों के आपस में टकरा जाने से एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। नेपाल पुलिस की शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, यह हादसा सुबह करीब 8:11 बजे हुआ, जब फिशटेल एयर और डायनेस्टी एयर के हेलीकॉप्टर लैंडिंग के दौरान आपस में टकरा गए।

पुलिस इंस्पेक्टर मौसम तमांग ने बताया कि मृतक की पहचान वसंत कुमार बालारामरामाडु के रूप में हुई है, जो एक भारतीय नागरिक थे और फिशटेल एयर के हेलीकॉप्टर में सवार थे। उसी हेलीकॉप्टर में सवार भारतीय मूल के न्यूजीलैंड के नागरिक शैलेश कृष्ण पटेल भी इस टक्कर में घायल हो गए।

कांग्रेस नेताओं के निशाने पर बाबा बागेश्वर

» दिग्विजय और भूपेश ने कसा तंज, बोले- इनकी रेबीज की जांच हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल/रायपुर। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण को लेकर की गई टिप्पणी पर विवाद गहराता जा रहा है। उनके बयान को लेकर मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के नेताओं ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने शास्त्री को मूर्ख कह दिया, तो उनके छोटे भाई लक्ष्मण सिंह ने लोगों से कथावाचक के बहिष्कार की अपील की। वहीं छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी सोशल मीडिया पर तीखा तंज कसते हुए उनकी टिप्पणी पर सवाल उठाए हैं।

दरअसल धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने 28 अक्टूबर को मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा में आयोजित रामकथा के दौरान भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की तुलना करते हुए टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि भगवान राम सीधे खड़े होते हैं, जबकि श्रीकृष्ण तीन जगह से टेढ़े दिखाई देते हैं। उन्होंने श्रीकृष्ण के खड़े होने के अंदाज, बांसुरी बजाने और उनके स्वरूप का जिक्र करते हुए भगवान राम को सीधे और सरल बताया था। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह इन दिनों सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा निकाल रहे हैं। इसी दौरान उनसे धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की टिप्पणी को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कथावाचक को मूर्ख बताते हुए कहा कि ये कब से बाबा बन गए। दिग्विजय सिंह के साथ मौजूद कंप्यूटर बाबा ने भी शास्त्री पर निशाना साधा। उन्होंने उन्हें राजनीतिक बाबा बताया और कहा कि कुछ लोगों को राजनीति के हिसाब से आगे बढ़ाया जाता है, जबकि उनमें ज्ञान का अभाव है।



केमिकल लोचा है : बघेल

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- कोई तो केमिकल लोचा है। इनकी रेबीज वगैरह की जांच करवाना ठीक होगा। बघेल ने आगे शास्त्री पर हिंदुओं के आराध्य देवी-देवताओं की खिल्ली उड़ाने का आरोप लगाते हुए सवाल किया कि हिंदू धर्म के ठेकेदारों की भावनाएं अब आहत क्यों नहीं हो रही हैं? उनकी इस टिप्पणी ने धार्मिक विवाद को राजनीतिक बयानबाजी का रूप दे दिया है।

हजारों करोड़ के कारोबार की परतें कब खुलेंगी?

» एक हिस्सा सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को दिया जाता था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीबीआई की जांच में सट्टेबाजी से प्राप्त रकम को अनेक बैंक खातों के जरिए घुमाने कई स्तरों पर लेनदेन करने और हवाला के माध्यम से विदेश भेजने के आरोप सामने आए हैं। एजेंसी ने यह भी कहा है कि अवैध कमाई का एक हिस्सा सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को संरक्षण राशि के रूप में दिया जाता था। इन आरोपों की जांच के तहत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम आपराधिक साजिश धोखाधड़ी जालसाजी और छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध कानून के तहत कार्रवाई हुई है। जुलाई 2026 में सीबीआई ने छह और आरोपियों के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल करने की जानकारी दी थी।

एजेंसी ने यह भी कहा था कि महादेव ऐप के सिंडिकेट की पूरी पहुंच और उसके राजनीतिक तथा प्रशासनिक संरक्षण से जुड़े पहलुओं की जांच जारी



है। यानी जांच एजेंसियां खुद मान चुकी हैं कि कहानी में अभी कई परतें खुलनी बाकी हैं। फिर सवाल उठता है कि कार्रवाई की अगली कड़ी क्या होगी? केवल पैनल चलाने वालों और छोटे संचालकों तक जांच पहुंचेगी या प्रचार, वित्तीय लेनदेन, विदेशी नेटवर्क और लाभार्थियों की पूरी श्रृंखला भी सामने आएगी?

जांच एजेंसियों से पांच सीधे सवाल

प्रश्न नम्बर एक: सौरभ चंद्राकर के भारत आने के बाद महादेव ऐप के दूसरे प्रमुख आरोपियों और सहयोगियों की तलाश किस चरण में है?

प्रश्न नम्बर दो : हरि शंकर टिबरेवाल के खिलाफ ईडी की अभियोजन शिकायत के बाद अब तक क्या कार्रवाई हुई है?

प्रश्न नम्बर तीन : क्या हरि शंकर टिबरेवाल के संबंध में कोई प्रत्यर्पण प्रस्ताव या अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई लंबित है?

प्रश्न नम्बर चार : अक्षय जाजू की प्रचार भूमिका की जांच किस एजेंसी ने की और उनकी मौजूदा कानूनी स्थिति क्या है?

प्रश्न नम्बर पांच : सट्टेबाजी से कमाई, हवाला लेनदेन और संरक्षण राशि के आरोपों में शामिल सभी लोगों की पहचान और जवाबदेही कब तय होगी?

एक गिरफ्तारी से पूरी जांच खत्म नहीं होती

सौरभ चंद्राकर का ओमान से भारत आना निश्चित रूप से महादेव ऐप मामले की जांच में महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। लेकिन किसी बड़े नेटवर्क की जांच केवल उसके एक प्रमुख चेहरे की वापसी से पूरी नहीं होती। यह भी जरूरी है कि उसके सहयोगियों, वित्तीय रास्तों, प्रचार तंत्र, विदेशी संपर्कों और संरक्षण देने वालों की भूमिका की निष्पक्ष जांच भी हो। देश यह जानना चाहता है कि महादेव ऐप के साम्राज्य में किसकी क्या भूमिका थी किसने पैसा बनाया किसने पैसा घुमाया और किसने इस पूरे कारोबार को चलाने में मदद की? जिन नामों का उल्लेख जांच और सार्वजनिक रिपोर्टों में हुआ है उनकी कानूनी स्थिति भी स्पष्ट होनी चाहिए। सौरभ चंद्राकर भारत आ गया। अब जांच की अगली कड़ी किसके दरवाजे तक पहुंचेगी? अक्षय और हरि टेवरीवाल को लेकर जांच एजेंसियां क्या कर रही हैं? यही वह सवाल है जिसका जवाब अब टाला नहीं जाना चाहिए।

सौरभ आया बाकी नामों पर जवाब कौन देगा?

महादेव ऐप की जांच के दौरान ऐसे कई नाम सार्वजनिक हुए जिनकी भूमिका अलग अलग स्तरों पर इस घोटाले से जुड़ी बताई गई। इनमें हरि शंकर टिबरेवाल का नाम भी मुख्य रूप से शामिल है। ईडी ने मार्च 2024 में उनके कोलकाता स्थित परिसरों पर तलाशी की कार्रवाई की थी। एजेंसी के मुताबिक जांच में उनके महादेव ऐप के प्रमोटरों के साथ साझेदारी और स्काईएक्सचेंज नाम के सट्टेबाजी मंच से जुड़े होने के सबूत सामने आए। अप्रैल 2024 में ईडी ने अपनी अभियोजन शिकायत में उन्हें आरोपी के रूप में नामित भी किया और अवैध धन के लेन देन की बात भी समाने आयी। अब सवाल यह है कि ईडी की अभियोजन शिकायत में नाम आने के बाद इस मामले में आगे क्या कार्रवाई हुई? क्या उनकी मौजूदा लोकेशन और जांच की स्थिति स्पष्ट है? क्या किसी प्रत्यर्पण प्रस्ताव पर काम चल रहा है? अगर नहीं तो इसकी वजह क्या है? जांच एजेंसियों को इन सवालों पर स्थिति साफ करनी चाहिए।

अक्षय जाजू की भूमिका पर भी हो जवाब

महादेव ऐप के नेटवर्क की चर्चा केवल सट्टेबाजी के पैनल और पैसों के लेनदेन तक सीमित नहीं रही। इस पूरे कारोबार को फैलाने के लिए प्रचार और विज्ञापन की कथित मशीनरी भी जांच के दायरे में आई। कुछ मीडिया रिपोर्टों में अक्षय जाजू और यश चौहान को महादेव ऐप तथा उससे जुड़े मंचों की प्रचार टीम से जुड़ा बताया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोशल मीडिया टेलीग्राम गूगल विज्ञापन और इन्फ्लुएंसर प्रचार के जरिए नेटवर्क की पहुंच बढ़ाने का काम किया जाता था।ऐसे में जांच एजेंसियों से सवाल बनता है कि क्या प्रचार तंत्र की भूमिका की जांच पूरी हुई? क्या इस नेटवर्क के संचालकों और वित्तीय लाभार्थियों की पहचान कर ली गई? क्या अक्षय जाजू से पूछताछ हुई है? यदि जांच में उनकी भूमिका सामने आई है तो अब तक की कार्रवाई क्या है?

शाह महाराष्ट्र को कमजोर कर रहे : राउत

एनसीपी में खटास की खबरों पर बोले शिवसेना यूबीटी नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेताओं की मुलाकात पर शिवसेना नेता संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमित शाह ने महाराष्ट्र को कमजोर करने के लिए एनसीपी के दो गुट बनाए हैं। राउत ने दावा किया कि आने वाले दिनों में दोनों गुटों का राजनीतिक अस्तित्व खत्म हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि अजित पवार के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अनाथ हो गई है और अब यह केवल शरद पवार की पार्टी है। राउत ने शिवसेना को लेकर भी कहा कि असली शिवसेना केवल उद्धव ठाकरे की है। उनके मुताबिक, दोनों दलों के नेता भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं। शिवसेना नेता संजय राउत ने एक अन्य

बयान में दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तिहाड़ जेल पहुंचेंगे। उनका यह बयान सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

इन बयानों के जरिए शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने भाजपा, केंद्र सरकार और एनसीपी के दोनों गुटों पर निशाना साधा। संजय राउत ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष किसी चर्चा की मांग नहीं कर रहा, बल्कि सीईसी ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा चाहता है। राउत ने तेलंगाना में भाजपा की लोकतंत्र बचाओ रैली पर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वाले ही उसे बचाने की बात कर रहे हैं। राउत ने कहा, हम चर्चा की मांग नहीं कर रहे हैं, हम ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। कल तेलंगाना में लोकतंत्र बचाने के नाम पर रैली की गई। यह रैली उन लोगों ने आयोजित की थी, जो लोकतंत्र की हत्या कर रहे हैं। सवाल यह है कि वे आखिर किससे लोकतंत्र को बचाने की कोशिश कर रहे हैं?

बॉम्बे हाईकोर्ट की बीजेपी को फटकार

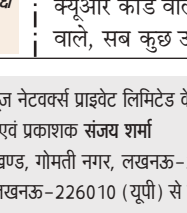
» दीया मिर्जा का वीडियो फिर से अपलोड करे बीएमसी

» पटाखे न जलाने की अपील वाला वीडियो दोबारा शेयर करने के निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। दिवाली के त्योहार के बीच एक्टर दीया मिर्जा के वीडियो पर छिड़े विवाद को बॉम्बे हाई कोर्ट ने खत्म कर दिया है। हाई कोर्ट ने उन बीजेपी नेताओं की आलोचना की है, जिन्होंने दीया मिर्जा के वीडियो क्लिप पर सवाल खड़े किए थे। साथ ही, बीएमसी को आदेश दिया है कि एक्टर का वीडियो दोबारा से शेयर करे। आलोचना का सामना करने वाले इस वीडियो में दीया मिर्जा ने नागरिकों से अपील की थी कि वे हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे न जलाएं।

बीएमसी ने इस मुद्दे पर जागरूकता फैलाने के लिए दीया मिर्जा को शामिल किया था, लेकिन बीजेपी नेताओं के विरोध के बाद, इस वीडियो



को बीएमसी के सोशल मीडिया हैंडल से हटा दिया गया। इन्हें दीया से इतनी मुहब्बत नहीं जितनी मिर्जा से नफरत है, जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और जस्टिस डॉ. नीला गोखले की बेंच ने कहा, कुछ राजनेताओं की बेतुकी टिप्पणियों से वे परेशान हैं और उन्हें याद दिलाया कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। जजों ने बीएमसी को आदेश दिया है कि वह हटाए गए वीडियो को वापस बहाल करे। पर्यावरण के अनुकूल दिवाली पहल के लिए दीया मिर्जा ने एक वीडियो बनाया था, जिसपर सियासी विवाद छिड़ गया। बीएमसी ने मुंबई बीजेपी अध्यक्ष अमित साटम की आपत्ति के बाद इसे हटा दिया था। वहीं, मुंबई की मेयर रितु तावड़े ने भी इस वीडियो को लेकर दीया को हिंदू-विरोधी करार दे दिया था। पहल खुद बीएमसी की ही थी, जिसका दीया मिर्जा ने समर्थन किया था।

संगरूर में कल राहुल गांधी भरेंगे हुंकार

» कांग्रेस की इंसाफ रैली में जुटेंगे कार्यकर्ता

» नेता प्रतिपक्ष एकजुटता से आगे नेताओं को जीत का देंगे लक्ष्य, रखेंगे नया रोडमैप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में आगामी विस चुनावों के लिए कांग्रेस ने अपनी कमर कसना शुरूकर दिया है। अभी हाल में कांग्रेस की ओर से अब तक पंजाब में कराए गए चुनावी सर्वेक्षणों में पार्टी को 62 से 65 सीटें मिलने का अनुमान जताया जा रहा है। ऐसे में केंद्रीय नेतृत्व भी पंजाब में चुनावी तैयारियों को लेकर खासा गंभीर नजर आ रहा है।

राहुल गांधी चार नवंबर को संगरूर की रैली में पार्टी नेताओं के सामने नया रोडमैप रखेंगे। इस रैली से वे पंजाब कांग्रेस को एकजुट होकर चुनावी मैदान में उतरने और आगामी विधानसभा चुनाव में जीत का लक्ष्य हासिल करने का संदेश देंगे।



28 फरवरी को बरनाला में हुई रैली के दौरान राहुल गांधी ने मंच से ही पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को गुटबाजी छोड़कर एकजुट होने की सख्त नसीहत दी थी। उस समय पार्टी की अंदरूनी खींचतान और नेताओं के बीच वर्चस्व की लड़ाई बड़ी चुनौती थी। अब प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश प्रभारी दोनों बदल चुके हैं। ऐसे में संगरूर रैली में राहुल का संदेश केवल एकजुटता तक सीमित रहने के बजाय चुनावी जीत के लिए सामूहिक प्रयास और संगठन को सक्रिय करने पर केंद्रित रहेगा।

चार महीनों में पंजाब कांग्रेस में संगठनात्मक स्तर पर रही उथल-पुथल

पिछले चार महीनों में पंजाब कांग्रेस में संगठनात्मक स्तर पर काफी उथल-पुथल रही है। अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग की जगह परगट सिंह को प्रदेश अध्यक्ष और भूपेश बघेल की जगह सचिन पायलट को प्रदेश प्रभारी बनाया गया। इसके बाद हाईकमान ने वरिष्ठ नेताओं के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए बैठकों का सिलसिला तेज किया। 26 अक्तूबर को चंडीगढ़ में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने वरिष्ठ नेताओं, सांसदों, विधायकों और जिला प्रधानों के साथ बैठक कर संगठनात्मक अनुशासन और एकजुटता पर जोर दिया था। इसके बाद 31 अक्तूबर को नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने पंजाब कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक की। इसमें सचिन पायलट, परगट सिंह, प्रताप सिंह बाजवा, राजा वड़िंग, चरणजीत सिंह चन्नी, सुखजिंदर सिंह रंधावा और विजय इंदर सिंगला सहित वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक में 2027 के विधानसभा चुनाव की रणनीति, संगठनात्मक तालमेल और चुनावी तैयारियों पर चर्चा हुई। राहुल गांधी ने कुछ वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग बातचीत भी की। पार्टी की रणनीति सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ने की है।

संगरूर में शक्ति प्रदर्शन की तैयारी

रैली को सफल बनाने के लिए प्रदेश कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रदेश अध्यक्ष परगट सिंह और वरिष्ठ नेता विजय इंदर सिंगला सहित पार्टी के अन्य नेता आयोजन स्थल का निरीक्षण कर चुके हैं। दो नवंबर को भी कांग्रेस नेताओं ने रैली स्थल का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। पार्टी ने रैली में एक लाख लोगों की भागीदारी का लक्ष्य रखा है। इसके जरिये मालवा क्षेत्र में अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने के साथ कार्यकर्ताओं में चुनावी जोश भरने की कोशिश होगी। राहुल की रैली के मद्देनजर सचिन पायलट भी पंजाब दौरे पर हैं।

संगरूर मुख्यमंत्री भगवंत मान का गृह जिला है। ऐसे में कांग्रेस ने रैली के लिए इस क्षेत्र को चुनकर राजनीतिक संदेश देने की रणनीति बनाई है। राहुल गांधी के संबोधन में नशे, बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर आप सरकार को घेरने के साथ पंजाब के युवाओं और आम लोगों से जुड़े सवाल प्रमुख रह सकते हैं।

पटाखों की बिक्री पर सुप्रीम चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में खुलेआम हर तरह के पटाखों की बिक्री पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है. एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कोर्ट ने सरकार से इस पर तत्काल ध्यान देने को कहा है। कोर्ट ने कहा है कि उसने सिर्फ लाइसेंस वाले ग्रीन क्रैकर को मंजूरी दी है।

उनके डिब्बे पर पुष्टि के लिए क्यूआर कोड भी छापने के लिए कहा है, लेकिन यह सामने आ रहा है कि सभी तरह के पटाखे बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं। जस्टिस एमएम सुंदरेश ने सरकार के वकील एएसजी ऐश्वर्या भाटी से कहा कि रिपोर्ट में एक तस्वीर छपी है। इसमें कहा गया है कि कल के आदेश के बावजूद दुकानों में अब सब कुछ मिल रहा है। कृपया इस पर ध्यान दें। जस्टिस ने कहा कि बताया गया है कि बाजार में हर तरह के पटाखे, चाहे वे लाइसेंस वाले हों या बिना लाइसेंस वाले, क्यूआर कोड वाले हों या बिना क्यूआर कोड वाले, सब कुछ उपलब्ध हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4** पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**